mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-336 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
07 दिसंबर 2025 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी
@ पेज 7

चुनाव आयोग ने केरल एसआईआर की तारीख में संशोधन किया

अब 23 दिसंबर को आएगा मतदाता सूची का ड्राफ्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को स्थानीय निकाय चुनाव के मद्दे नजर केरल के लिए मतदाता सूचियों को लेकर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को एक सप्ताह तक बढ़ाने का फैसला किया है। राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव 9 और 11 दिसंबर को दो चरण में होने हैं।

अंतिम तिथि को बढ़ाने का अनुरोध किया गया : आयोग ने यह आदेश उच्चतम न्यायालय की अनुमति मिलने के बाद दिया है, जिसमें गणना प्रपत्र और अन्य प्रक्रियाओं को जमा करने की अंतिम तिथि को बढ़ाने का अनुरोध किया गया था जो मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का हिस्सा है।

23 दिसंबर को मतदाता सूची के ड्राफ्ट रोल का प्रकाशन : संशोधित कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची का मसौदा 16 दिसंबर के बजाय 23 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी के बजाय अब 21 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी, जबकि मसौदा मतदाता सूची का ड्राफ्ट 23 दिसंबर को जारी होगा आपत्तियां और क्लेम के लिए 22 जनवरी तक का समय होगा।

रोहिंग्याओं पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी,पूर्व जजों-वकीलों ने आपत्ति जताई

CJI सूर्यकांत को लेटर लिखा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 2 दिसंबर को भारत में रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों के कानूनी दर्जे पर सवाल उठाए थे। इसे लेकर पूर्व जजों, वकीलों और कैंपेन फॉर ज्यूडिशियल अकाउंटेबिलिटी एंड रिफॉर्म्स ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) सूर्यकांत को लेटर लिखकर आपत्ति जताई है। CJI सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने एक हैबियस कॉर्पस याचिका पर सुनवाई करते हुए पूछा था कि अगर कोई गैर-कानूनी तरीके से भारत में घुस आता है, तो क्या उसे रेड कार्पेट वेलकम देना चाहिए, जबकि देश के अपने नागरिक ही गरीबी से जूझ रहे हैं? लेटर में कहा गया है कि रोहिंग्या पर की गई टिप्पणी अमानवीय और संविधानिक मूल्यों के खिलाफ है।

म.प्र.: कूनो में चीता वीरा के शावक की मौत

एक दिन पहले ही सीएम ने खुले जंगल में छोड़ा था

श्योपुर, एजेंसी। कूनो नेशनल पार्क में दक्षिण अफ्रीकी मादा चीता वीरा के 10 महीने के शावक का शव मिला है। इसे वीरा और दूसरे शावक के साथ एक दिन पहले गुरुवार को ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कूनो के पारोंद क्षेत्र में खुले जंगल में रिलीज किया था।

गुरुवार देर रात ही ये शावक अपनी मां से अलग हो गया था। शुक्रवार को इसकी खोज की गई। दोपहर बाद पारोंद के जंगल में शव मिला।

बंगाल में निलंबित टीएमसी विधायक ने बाबरी की नींव रखी

मौलवियों के साथ फीता काटा; 2 लाख से ज्यादा लोग मस्जिद के लिए ईंट लेकर पहुंचे

मुर्शिदाबाद/ कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में TMC से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद की आधारशिला रखी। कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंच पर मौलवियों के साथ फीता काटकर औपचारिकता पूरी की।

इस दौरान नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर के नारे लगाए गए। कार्यक्रम में 2 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटी। बंगाल के अलग-अलग जिलों से आए लोगों में कोई अपने सिर, कोई ट्रैक्टर-ट्रॉली तो कोई रिक्शा या वैन से ईट लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा था। कार्यक्रम को लेकर बेलडांगा समेत आसपास का इलाका आज सुबह से हाई अलर्ट पर है। बेलडांगा और उसके आसपास सेंट्रल आर्म्ड फोर्स की 19 टीमें, रैपिड एक्शन फोर्स, बीएसएफ, स्थानीय पुलिस की कई टीमों समेत 3 हजार से ज्यादा जवान तैनात हैं। हुमायूं कबीर ने 25 नवंबर को कहा था कि वे 6 दिसंबर को अयोध्या में विवादित ढांचे के विध्वंस के 33 साल पूरे होने पर बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखेंगे। TMC ने 4 दिसंबर को हुमायूं कबीर को पार्टी से सस्पेंड कर दिया था।

हुमायूं कबीर बोले- मस्जिद निर्माण रोकने की साजिशें रची गई : कार्यक्रम से पहले हुमायूं कबीर ने शनिवार को कहा था कि हिंसा भड़काकर कार्यक्रम को बाधित करने की साजिशें रची जा रही हैं। लेकिन मैं बेलडांगा में मस्जिद की नींव रखूंगा। कोई भी ताकत इसे रोक नहीं सकती। हम कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेशों का पालन करेंगे।

हाईकोर्ट ने मस्जिद निर्माण पर रोक से इनकार किया था

कोलकाता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मस्जिद निर्माण पर रोक लगाने से इनकार किया था। कोर्ट ने कहा- कार्यक्रम के दौरान शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद हुमायूं कबीर ने मस्जिद की नींव रखी।

सऊदी से धार्मिक नेता पहुंचे, 150 फीट लंबा स्टेज तैयार हुआ : बारी मस्जिद के शिलान्यास कार्यक्रम में सऊदी अरब से धार्मिक नेता पहुंचे थे। 25 बीघा जमीन पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। हुमायूं कबीर ने पहले ही 3 लाख से ज्यादा लोगों के जुटने का अनुमान जताया था। कार्यक्रम के लिए 150 फीट लंबा और 80 फीट चौड़ा स्टेज तैयार किया गया था। स्टेज पर 400 से ज्यादा लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिए 60 हजार से ज्यादा बिरयानी पैकेट तैयार कराए गए थे। 2 हजार से ज्यादा वॉलंटियर्स ने व्यवस्था को संभाला।

सरकार का निर्देश

इंडिगो बिना देरी पैसेंजर्स को रिफंड दे, 48 घंटे में सामान लौटाए

दूसरी एयरलाइंस किराया न बढ़ाएं; 400+ लाइट कैंसिल

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिगो एयरलाइन के संकट मामले में केंद्र सरकार ने चार दिन बाद शनिवार को सख्ती दिखाई। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री (MoCA) ने इंडिगो को निर्देश दिया है कि वह कल रविवार रात 8 बजे तक सभी पेंडिंग पैसेंजर रिफंड वापस करे।

पैसेंजर के लगेज भी 48 घंटे में लौटाए। इसके अलावा, सरकार ने दूसरी एयरलाइन से कहा कि वह तय हवाई किराए से ज्यादा ना लें। अगर निर्देशों को नहीं माना गया तो तुरंत एक्शन लिया जाएगा। शनिवार को भी कई देश के कई एयरपोर्ट्स से लोगों ने टिकट रिफंड और सामान ना मिलने की शिकायतें आई। मुंबई एयरपोर्ट पर पैसेंजर्स को चार दिन से लगेज ना मिलने से स्टाफ से झगड़ते दिखे। उधर, इंडिगो के ऑपरेशन में लगातार 5वें दिन शनिवार को सुधार नहीं दिख रहा है। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक देश के 4 बड़े एयरपोर्ट दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु समेत कई शहरों से इंडिगो की 400 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल की जा चुकी हैं। पिछले 4 दिन में 2,000 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। रोजाना एवरेज 500 फ्लाइट लेट हो रही हैं।

DGCA के वे नए नियम, जिससे इंडिगो में स्टाफ की कमी हुई

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने एयलाइंस, खासकर इंडिगो को 10 फरवरी 2026 तक अस्थायी राहत दी है। वीकली रेस्ट के बदले कोई भी छुट्टी नहीं देने के फैसले को वापस ले लिया। DGCA ने 1 नवंबर से पायलटों और बाकी क्रू मेंबर्स के काम से जुड़े नियमों में बदलाव किए थे। इसे फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FDTL) नाम दिया गया है। इन्हें दो चरणों में लागू किया गया। पहला चरण 1 जुलाई को लागू हुआ। वहीं, 1 नवंबर से दूसरा चरण लागू हुआ। नए नियमों में यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए पायलटों और क्रू को पर्याप्त आराम देने पर जोर दिया गया है। इस कारण इंडिगो के पास पायलट-क्रू मेंबर्स की कमी हो गई है।

सोनिया बोलीं- सरकार नेहरू को इतिहास से मिटाना चाहती है, उन्हें गलत तरीके से पेश किया जा रहा

बीजेपी बोली- अनुच्छेद 370 नेहरू की गलती

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी (CPP) की चेयरपर्सन सोनिया गांधी शुक्रवार को दिल्ली स्थित जवाहर भवन में नेहरू सेंटर इंडिया के लॉन्च समारोह में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ बयानबाजी को लेकर भाजपा सरकार की आलोचना की।

सोनिया ने कहा- इसमें कोई शक नहीं है कि जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करना आज की सत्ता का मुख्य मकसद है। वह उन्हें (नेहरू को) सिर्फ इतिहास से मिटाना नहीं चाहती, बल्कि उनकी सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक आधारों भी को कमजोर करना चाहती है, जिन पर देश खड़ा हुआ। सोनिया ने कहा- इतने बड़े व्यक्तित्व (नेहरू) के जीवन और काम का एनालिसिस और समीक्षा होना स्वाभाविक है और ऐसा होना चाहिए भी। लेकिन उन्हें बदनाम करने, कमजोर दिखाने और उनकी बातें तोड़ने-मरोड़ने की संगठित कोशिश अस्वीकार्य है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा- नेहरू का व्यक्तित्व छोटा करने की कोशिश जारी है। उनका ऐतिहासिक बैकग्राउंड अलग रखकर उनके काम का आकलन करना अब आम होता जा रहा है। उनकी बहुमुखी विरासत खत्म करके दोबारा इतिहास लिखने की कोशिश हो रही है।

राहुल गांधी भारतीय राजनीति के भस्मासुर- गौरव भाटिया

सोनिया गांधी के बयान के बाद बीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। गौरव भाटिया ने राहुल गांधी को भारतीय राजनीति का भस्मासुर कहा। उन्होंने कहा कि नेहरू की गलतियों को मोदी सरकार ने ठीक किया। उन्होंने आगे कहा कि सोनिया गांधी नेहरू की लेगेसी की बात करती हैं तो ये किस तरह की लेगेसी है। हिंदी चीनी भाई भाई का नारा नेहरू ने दिया था लेकिन नेहरू ने ह सिक्योरिटी काउंसिल की सीट चीन को दी थी। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी को जब सरकार बुलाती है तो वो नहीं पहुंचते हैं। वे 15 अगस्त को लाल किले पर नहीं आए।

पाकिस्तान की महिला ने पीएम मोदी से मांगी मदद

पति को डिपोर्ट करने की मांग, कहा- उसने भारत में सगाई कर ली

इंदौर, एजेंसी। पाकिस्तान की एक महिला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से न्याय की गुहार लगाई है। निकिता नागदेव ने शुक्रवार को पाकिस्तान से वीडियो जारी किया। कहा कि अगर मुझे सरकार से न्याय नहीं मिला तो कोर्ट की शरण लूंगीनिकिता का कहना है कि उसकी शादी 26 जनवरी 2020 को पाकिस्तान में ही हिंदू रीति-रिवाज से विक्रम नागदेव से हुई थी। एक महीने बाद 26 फरवरी 2020 को विक्रम मुझे भारत ले आया। वीजा में तकनीकी प्रॉब्लम बताते हुए 9 जुलाई 2020 को अटारी बार्डर से मुझे वापस कराची भेज दिया। तब से उसने कभी मुझे वापस भारत लाने की कोशिश नहीं की। मैं बार-बार उसे भारत बुलाने को कहती रही।

निकिता बोली- इंसाफ के लिए मेरे साथ खड़े रहें : कराची से जारी वीडियो में निकिता नागदेव ने कहा कि यदि आज मेरे साथ इंसाफ नहीं हुआ तो शादीशुदा महिलाओं का न्याय से विश्वास उठ जाएगा।

ससुराल आई तो पता चला पति का अफेयर चल रहा

निकिता ने कहा- शादी के एक माह बाद पाकिस्तान से भारत ससुराल आई तो कुछ ही दिनों में मेरे ससुराल वालों का बर्ताव ही बदल गया। मुझे यह भी पता चला कि मेरे पति का मेरी ही एक रिश्तेदार से अफेयर है। मैंने जब यह बात अपने ससुर को बताई तो उन्होंने कहा कि बेटा लड़कों के तो अफेयर होते हैं। कुछ नहीं कर सकते।

बीस साल बाद गुरु से मिले अमित शाह, वयोवृद्ध की आंखों में आए खुशी के आंसू; पुराने दिनों को याद कर हुए भावुक

गांधीनगर, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुजरात के तीन दिनों के दौरे पर शुक्रवार को गांधीनगर पहुंचे थे, जहां उन्होंने शहर को 68 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रोजेक्टों की सौगात दी। व्यस्त कार्यक्रम के बीच वे अचानक अपने पूर्व शिक्षक जीवनभाई डाह्याभाई पटेल (माणसा में जे.डी सी पी. पटेल के नाम से प्रसिद्ध) के घर पहुंच गए। अमित शाह ने 89 वर्षीय अपने गुरु के गायत्रीनगर स्थित घर जाकर उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। घर में प्रवेश करने से पहले उन्होंने अपने जूते भी बाहर उतार दिए। अपने गुरु और उनके परिवार के साथ उन्होंने आधे घंटे से अधिक समय बिताया और पुराने दिनों की यादें ताज़ा कीं। जीवनभाई पटेल ने बताया कि अमित शाह उनसे लगभग 20-21 साल बाद मिले। उन्होंने कहा कि अमित भाई ने बचपन के दिनों की बातें याद दिलाई और माणसा में हुए विकास, खासकर मलाव तालाब देखने का आग्रह किया।

जीवनभाई पटेल ने बताया कि उन्होंने अमित शाह को पहली से सातवीं कक्षा तक पढ़ाया था। उन्होंने पुराने जमाने की शिक्षा पद्धति याद करते हुए कहा- पहले के शिक्षक पैसों का मोह नहीं रखते थे, वे बच्चों को होशियार बनाने के लिए पूरे मन से पढ़ाते थे।

शशि थरूर ने मैरिटल रेप को अपराध बनाने को कहा

लोकसभा में तीन प्राइवेट बिल पेश किए, दो अन्य बिल राज्यों के पुनर्गठन और कामकाजी लोगो से जुड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में शुक्रवार को कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने तीन प्राइवेट मेंबर बिल पेश किए। एक बिल में मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने की मांग की गई है। वहीं दो अन्य बिल राज्यों के पुनर्गठन, कामकाजी लोगों के काम के घंटे और मानसिक सेहत से जुड़ा है। थरूर ने मैरिटल रेप को लेकर कहा कि शादी किसी भी तरह हिंसा का लाइसेंस नहीं है। पत्नी की सहमति हर स्थिति में जरूरी है।

जबरन सेक्स हिंसा है, चाहे रिश्ता पति-पत्नी का ही क्यों न हो: थरूर ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की उस धारा को हटाने की मांग की है, जिसमें यह अपवाद है कि यदि पत्नी 18 साल से ऊपर है तो पति का बिना सहमति सेक्स करना अपराध नहीं माना जाएगा। थरूर ने इसे पुरानी और पितृसत्तात्मक सोच बताते हुए कहा कि यह कानून शादीशुदा महिलाओं के अधिकारों को कमजोर करता है। शशि थरूर ने X पर लिखा नहीं का मतलब नहीं ही होता है। शादी किसी महिला की आजादी या उसकी नहीं सुरक्षा छीन सकती। जबरन यौन संबंध हिंसा है, चाहे रिश्ता कोई भी हो। सहमति किसी महिला के कपड़ों, उसके पेशे, जाति, या पिछली किसी भी बात के आधार पर मान लेना न सिर्फ गलत है, बल्कि उसके बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन भी है।

काम के घंटे तय हों: थरूर का तीसरा बिल कामकाजी लोगों की बढ़ती थकान और तनाव पर केंद्रित है। उन्होंने बताया कि देश में आधे से ज्यादा कर्मचारी हफ्ते में 49 घंटे से अधिक काम करते हैं, और ज्यादातर युवा प्रोफेशनल्स मानसिक थकावट और अत्यधिक काम का दबाव का सामना कर रहे हैं।

राज्यों के पुनर्गठन पर आयोग बने

थरूर ने दूसरा बिल राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के गठन और पुनर्गठन के लिए स्थायी आयोग बनाने को लेकर पेश किया। उन्होंने कहा कि भारत जैसे बड़े और विविध देश में नए राज्यों की मांगें और सीमाओं के विवाद समय-समय पर उठते रहते हैं। इसलिए फैसले किसी राजनीतिक दबाव से नहीं, बल्कि डेटा, जनसंख्या, प्रशासनिक क्षमता, सांस्कृतिक पहचान और स्थानीय लोगों की इच्छा जैसे मानकों के आधार पर होने चाहिए। यह आयोग इन पहलुओं पर अध्ययन करके सरकार को सुझाव देगा ताकि भविष्य में ऐसे फैसले ज्यादा पारदर्शी और टिकाऊ हो सकें।

भारत-यूएस के व्यापार समझौते पर शुरू होगी बातचीत, जल्द दिल्ली आएगा अमेरिकी दल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर 10 दिसंबर से बातचीत शुरू होगी। यह बातचीत तीन दिन चलेगी। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते के लिए इस बातचीत को अहम माना जा रहा है। दोनों पक्षों की बातचीत 12 दिसंबर तक चलेगी और अभी यह बातचीत का औपचारिक राउंड नहीं है।अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए दिल्ली आएगा और उसका नेतृत्व अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्जर करेंगे।

इस साल ही व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति बनने की उम्मीद : अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद अमेरिकी अधिकारियों का व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए यह दूसरा भारत दौरा होगा। इससे पहले 16 सितंबर को अमेरिकी अधिकारियों ने भारत का दौरा किया था। इसके बाद 22 सितंबर को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में एक दल अमेरिका गया था। इससे पहले मई में भी पीयूष गोयल अमेरिका दौरे पर थे। हाल ही में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत को उम्मीद है कि अमेरिका के साथ इस साल ही व्यापार समझौते के ढांचे पर सहमति बन जाएगी।

डीटीसी की आर्थिक हालत में सुधार... महीने की कमाई बढ़कर 100 करोड़ के पास

दिल्ली, एजेंसी। डीटीसी की आर्थिक हालत तेजी से सुधर रही है। पिछले वित्त वर्ष के नुकसान से उबरते हुए डीटीसी ने 2025-26 में अपनी मासिक औसत आय को 68.54 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 93.96 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया है। परिवहन मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह ने इसे दिल्ली सरकार के बेहतर प्रबंधन और सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाने की नीतियों का नतीजा बताया। दिल्ली परिवहन निगम ने वित्त वर्ष 2025-26 में अपनी आय में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की है। इस साल अप्रैल से अक्टूबर के बीच डीटीसी ने हर आय स्रोत पर बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसके चलते औसत मासिक आय बढ़कर 93.96 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में यह औसत सिर्फ 68.54 करोड़ रुपये था। मंत्री ने कहा कि डीटीसी अपने पुराने गौरव को फिर से हासिल करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है।

संसाधनों के प्रभावी उपयोग, पारदर्शी कार्यप्रणाली और बेहतर बस संचालन की वजह से राजस्व में लगातार मजबूती आ रही है।

यात्री टिकट से 220.33 करोड़ कमाए: अप्रैल से अक्टूबर के दौरान यात्री टिकट से डीटीसी को 220.33 करोड़ रुपये की कमाई हुई। पिंक टिकट सब्सिडी से 235.56 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई और महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा मिली। मंत्री ने बताया कि इस योजना ने न सिर्फ महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा दिया है, बल्कि महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और आत्मनिर्भरता भी बढ़ाई है।

इस साल कुल 658 करोड़ रुपये आय: इस अवधि में स्पेशल हायर सेवाओं से आय बढ़कर 63.40 करोड़ रुपये हो गई। वहीं बस पास की बिक्री से 36.38 करोड़ रुपये जमा हुए। स्क्रैप बिक्री, एफडी ब्याज, किराया, विज्ञापन शुल्क और पेनल्टी जैसे अन्य स्रोतों से डीटीसी को 102.04 करोड़ रुपये की आमदनी मिली। इस साल इन सभी स्रोतों को मिलाकर अप्रैल से अक्टूबर के बीच डीटीसी की कुल आय 658 करोड़ रुपये दर्ज की गई।

किराना दुकान में लगी आग, शटर फंसने से दंपति नहीं निकल पाए बाहर; दम घुटने से हुई मौत

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मुंडका के टिकरी कलां इलाके में शुक्रवार रात एक किराना दुकान में आग लगने से दंपती की मौत हो गई। मृतकों की शिनाख्त 31 साल के विनीत और 29 साल की रेणू के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी और आसपास लटके प्लास्टिक के पैकेट में लगने से आग फैल गई। जानकारी के अनुसार शटर में करंट फैल जाने से दंपति दुकान से बाहर नहीं निकल पाए और दोनों का दम घूंट गया। पुलिस कर्मियों ने किसी तरह से शटर को खोलकर दोनों को अचेत अवस्था में बाहर निकालकर पास के अस्पताल में लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि शुक्रवार रात करीब साढ़े आठ बजे स्कूल वाली गली, लेखराम पार्क, टिकरी कलां स्थित एक दुकान में आग लगने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने लकड़ी के लट्ठे से शटर को जबरदस्ती खोला और अचेतावस्था में पड़े दंपती को ऑस्कर अस्पताल बहादुरगढ़ ले गई, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। आस पास मौजूद लोगों और छानबीन में पता चला कि दुकान के काउंटर एरिया में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। आग, धुएं और शटर से गुजर रहे बिजली के करंट की वजह से पति-पत्नी बाहर नहीं निकल पाए। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

दिल्ली में 95 और मोहल्ला क्लीनिकों पर लगेगा ताला आप और बीजेपी ने एक दूसरे पर लगाए आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक बंद करने की प्रक्रिया जारी है। अब 95 और मोहल्ला क्लीनिकों को बंद करने के लिए सूची जारी की गई है। स्वास्थ्य सेवा केंद्रों के शून्य से 1.6 किलोमीटर के दायरे में आने वाले क्लीनिकों को बंद किया जाएगा। वहीं आप ने दिल्ली में 95 और मोहल्ला क्लीनिक बंद होने की आशंका पर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यह मोहल्ला क्लीनिक पोर्टा केबिन और किराये की इमारत में संचालित हो रहे हैं। इससे पहले एक किलोमीटर के दायरे वाले मोहल्ला क्लीनिक बंद किए गए थे। मोहल्ला क्लीनिक बंद होने पर कार्यरत कर्मियों के बीच रोष है। इससे पहले सितंबर, अक्तूबर में भी क्लीनिक बंद किए गए थे।

आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक यूनियन के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने कहा कि इन 95 क्लीनिक को मिलाकर बंद होने वाले क्लीनिकों की संख्या 296 हो जाएगी। इससे लगभग 1100 से अधिक कर्मी बेरोजगार हो रहे हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 16 मई को जनता दरबार में वादा किया था कि सभी स्वास्थ्यकर्मियों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर में समायोजित किया जाएगा। इसके अलावा इसी मामले में कैट के भी 22 जनवरी 2026 तक कुछ कर्मियों के स्टे ऑर्डर हैं। जिनको निकाला नहीं जा सकता है। कर्मियों ने सरकार से गुहार लगाई है कि समस्या दूर करे और उन्हें आयुष्मान आरोग्य मंदिर में नियुक्त किया जाए।

आम आदमी पार्टी ने लगाए आरोप: वहीं इसपर आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में 95 और मोहल्ला क्लीनिक बंद होने की आशंका पर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सरकार गरीबों को मुफ्त इलाज से वंचित कर रही है, मेट्रो स्टेशनों और शॉपिंग मॉल में शराब के प्रीमियम शोरूम खोलने की तैयारी कर रही है। उनके अनुसार, सरकार शराब को बढ़ावा दे रही है, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं की जिम्मेदारी से पीछे हट रही है।

भाजपा का आप पर पलटवार: भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर भ्रामक बयानबाजी और झूठ फैलाने का आरोप लगाया है। पार्टी प्रवक्ता प्रवीण शंकर ने कहा कि पिछले 18 महीनों में लोकसभा, विधानसभा और नगर निगम स्तरों के चुनावों में हार के बावजूद आप नेता अब भी मनगढ़ंत कहानियां गढ़ना बंद नहीं कर रहे। सौरभ लगातार जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि दिल्लीवासी अब उनके दावों पर भरोसा नहीं करते। कपूर ने मोहल्ला क्लीनिक को छलावा बताते हुए दावा किया कि इन केंद्रों में डॉक्टरों की जगह कंपाउंडर दवा बांटते थे। आर्थिक अपराध शाखा के अधिकारी ने बताया कि कंपनी का एक कर्मचारी शाखा के सामने पेश हो चुका है और उसका बयान भी दर्ज हो चुका है, जबकि तीन कर्मचारियों का पेश होना बाकी है। उन तीनों से भी पूछताछ कर बयान दर्ज कराया जाएगा। ये चारों कर्मचारी कंपनी में पहले काम करते थे।

फिर बढ़ी दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे की डेडलाइन अब 2026 में खोला जाएगा

देहरादून, एजेंसी। दिल्ली से देहरादून तक 210 किलोमीटर का नया एक्सप्रेसवे फरवरी 2026 तक खुल जाएगा। इससे यात्रा का समय आधे से ज्यादा कम होकर सिर्फ ढाई घंटे रह जाएगा। पहले अक्टूबर 2025 का लक्ष्य था, लेकिन देरी के कारण अब नया डेडलाइन सेट हुआ है। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने निर्देश दिया है कि सभी फेज पूरे होने के बाद ही उद्घाटन होगा। प्रोजेक्ट की लागत 11,869 करोड़ रुपये है। शुरू में दिसंबर 2024 तक पूरा करने का प्लान था।

फेज 1: दिल्ली से खेकड़ा तक तैयार: अक्षरधाम से शुरू होकर गीता कॉलोनी, शास्त्री पार्क, गाजियाबाद का मंडोला विहार और बागपत का खेकड़ा तक का हिस्सा छह महीने से ज्यादा समय से पूरा है। सितंबर में दिल्ली में जलभराव हुआ तो कई बाइक सवारों ने बैरियर हटाकर इसका इस्तेमाल किया और जाम से बच गए।

फेज 2: बागपत से सहारनपुर तक लगभग पूरा: बागपत के पास से सहारनपुर तक का ज्यादातर हिस्सा तैयार है। कुछ स्ट्रेच पर फिनिशिंग काम बाकी है।

फेज 3: सहारनपुर से गणेशपुर तक चौड़ीकरण: सहारनपुर बाइपास से गणेशपुर तक की मौजूदा सड़क को चौड़ा किया जा रहा है। निर्माण अंतिम चरण में है।

फेज 4: देहरादून में फिनिशिंग: देहरादून के पास एलिवेटेड सेक्शन पर सुरक्षा और फिनिशिंग काम चल रहा है। मानसून में बाढ़ के कारण सावधानी बरती गई। दात काली मंदिर के पास प्रोटेक्शन वर्क, मोबाइल टावर और टनल की फिनिशिंग नवंबर तक पूरी हो जाएगी।

2021 में रखी गई नींव: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 26 फरवरी 2021 को नींव रखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 दिसंबर 2021 को फिर से शिलान्यास किया। एक्सप्रेसवे अक्षरधाम से शुरू होकर बागपत, बारौत, शामली और सहारनपुर होते हुए देहरादून पहुंचेगा।

क्या क्या खास सुविधाएं: राजाजी नेशनल पार्क में 12 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर - एशिया का सबसे लंबा।

6 एनिमल अंडरपास। 100 से ज्यादा अंडरपास और 5 रेलवे ओवरब्रिज। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल और हरिद्वार-रुड़की रोड से कनेक्शन। पर्यावरण पर विवाद प्रोजेक्ट की शुरुआत से जंगलों की कटाई पर सवाल उठे।

राज्यसभा में जुलाई में बताया गया कि 17,913 पेड़ काटे या ट्रांसप्लांट किए गए। एनएचएआई ने जवाब दिया कि 50,600 नए पेड़ लगाए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड वन विभाग को 40 करोड़ रुपये दिए गए। मार्च में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने अफोरेस्टेशन की जानकारी न देने पर जुर्माना लगाया।

छात्र इरशाद की हत्या :चाकू से वार कर उतारा मौत के घाट, दिल्ली पुलिस ने दो को हिरासत में लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बीते दिन शुक्रवार को इरशाद की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। बता दें कि छात्र मोहम्मद इरशाद की शुक्रवार सुबह कथित तौर पर उसके चाचा मुबारक, चाची रिहाना खातून, उनके बेटे इश्तियाक और 15 वर्षीय नाबालिग ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने नाबालिग और रिहाना खातून को हिरासत में ले लिया है। मामले में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस द्वारा आगे की जांच जारी है।

एमसीडी पर देनदारी का बोझ बजट के बराबर

नई दिल्ली, एजेंसी।एमसीडी का शुक्रवार को वर्ष 2026-27 के लिए 16,530 करोड़ रुपये का बजट प्रस्ताव पेश किया गया जबकि देनदारी करीब 15,791 करोड़ रुपये है। एक तरह से देनदारी और बजट लगभग बराबर है। ऐसे में एमसीडी की वित्तीय सेहत पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। बजट भाषण में भी इसे विशेष रूप से रेखांकित किया गया। पहली बार एमसीडी ने देनदारी को साफ तौर पर प्राथमिकता की तरह पेश किया है। एमसीडी के अनुसार, उसे स्थापना देय के तौर पर 7009.67 करोड़ रुपये, ठेकेदारों का भुगतान 520.06 करोड़ रुपये और लोन के तौर पर 8262.06 करोड़ रुपये देने है। एमसीडी ने वर्तमान वर्ष के दौरान 331 करोड़ रुपये देने का निर्णय लिया है और आगामी वर्ष के दौरान 667 करोड़ रुपये देने का प्रावधान किया है। इसके बाद भी उसकी देनदारी साढ़े 14 हजार करोड़ रुपये अधिक रह जाएगी। इस तरह एमसीडी को देनदारी खत्म करने के लिए अपनी आय बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। क्योंकि इस रफ्तार से तो उसका कर्ज खत्म होने में कई वर्ष लग जाएगे। बताया जा रहा है कि उसके ऊपर सेवानिवृत हो रहे कर्मचारियों का आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। दरअसल प्रतिमाह करीब दो सौ कर्मचारी सेवानिवृत हो रहे, मगर एमसीडी उनकी सेवानिवृति की राशि नहीं दे पा रही है। इस कारण उस पर लगातार कर्ज बढ़ रहा है।

60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी में शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की कंपनी के चार पूर्व कर्मचारियों को समन

नई दिल्ली, एजेंसी। व्यवसायी से 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के केस में नया अपडेट आया है। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक्ट्रेस की कंपनी में काम करने वाले चार पूर्व कर्मचारियों को पूछताछ के लिए समन जारी किया है। चार में से एक का बयान दर्ज किया जा चुका है।

फ्रांस : ग्वाडेलोप में क्रिसमस की तैयारियों के बीच भीड़ में घुसी कार, 10 की मौत

ग्वाडेलोप, एजेंसी। फ्रांस में ओवरसीज क्षेत्र ग्वाडेलोप केसैंट-एनी में एक क्रिसमस इवेंट का माहौल उस समय मातम में बदल गया, जब एक कार त्योहार की तैयारियों में जुटे लोगों की भीड़ में घुस गई। इस भयानक हादसे में कम से कम 19 लोग घायल हो गए, जिनमें से 10 लोगों की मौत हो गई। रेडियो कैराइब्स इंटरनेशनेल (आरसीआई) ग्वाडेलोप ने बताया कि घायलों में से तीन की हालत गंभीर है। यह घटना टाउन हॉल और चर्च के सामने शोएल्चर स्क्वायर पर हुई। यहां क्रिसमस के त्योहार को लेकर तैयारियां की जा रही थीं। घटना किस वजह से हुई, यह अभी पता नहीं चल पाया है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। आरसीआई के हवाले से गवाहों ने कहा कि ड्राइवर को गाड़ी चलाने के दौरान शायद किसी तरह की मेडिकल इमरजेंसी हुई होगी। हालांकि, यह केवल अटकलें हैं और अधिकारी इसकी पुष्टि नहीं कर रहे हैं। वहीं गाड़ी चलाने वाला शख्स घटना के बाद भी वहां मौजूद था।

आनन-फानन में फायरफाइटर्स, पैरामेडिक्स और पुलिस ऑफिसर मौके पर पहुंचे। इसके बाद शहर के मेयर भी कुछ ही देर में वहां पहुंच गए। इस भयानक हादसे के बाद पीड़ितों और उनके परिवारों की मदद के लिए एक टीम को एक्टिवेट किया गया।

रेस्क्यू टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जल्द से जल्द घायलों को अस्पताल भेजा। पिछले साल जर्मनी में भी ऐसी ही घटना हुई थी। त्योहार से कुछ दिन पहले मैगडेबर्ग में एक कार भीड़भाड़ वाले आउटडोर क्रिसमस मार्केट में घुस गई थी। इस घटना में कम से कम दो लोग मारे गए थे और 68 घायल हुए थे।

घटना के बाद ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया था। सैक्सोनी-एनहाल्ट की मंत्री तमारा जीशैंग ने कहा कि संदिग्ध एक 50 साल का सऊदी डॉक्टर था, जो 2006 में पहली बार जर्मनी आया था। सरकारी अधिकारियों और शहर की वेबसाइट के अनुसार, 68 घायलों में से 15 को बहुत गंभीर चोटें आईं, 37 को मामूली चोटें आईं और 16 लोगों को हल्की चोटें आई थीं।

न्यूयॉर्क की महिला पर लगा भारतीयों को कनाडा-अमेरिका बॉर्डर पार कराकर स्मगलिंग करने का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य के उत्तरी भाग में रहने वाली 42 वर्षीया महिला, स्टेसी टेलर, पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों को अवैध रूप से अमेरिका में घुसाने वाले गिरोह में शामिल होने का आरोप लगा है। आरोप है कि इंटरनेशनल ह्यूमन स्मगलिंग नेटवर्क में सक्रिय यह गिरोह मुख्य रूप से भारत के नागरिकों को इस वर्ष कई बार गैर-कानूनी तरीके से यूएस-कनाडा सीमा पार करा रहा था। स्टेसी टेलर को सोमवार को अदालत में पेश किया गया। इससे पहले 2 अक्टूबर को अल्बानी की एक संघीय जूरी ने उनके विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल किया था। उन पर साजिश के तहत अवैध ढंग से लोगों को सीमा पार कराने का एक आरोप और लाभ कमाने के उद्देश्य से लोगों की तस्करी

करने के चार आरोप लगे हैं। इनमें से तीन आरोप दोहराए गए अपराध माने गए हैं। अगर वह दोषी पाई जाती हैं, तो उन्हें फायदे के लिए की गई हर स्मगलिंग के लिए कम से कम पांच साल जेल की सजा होगी, और बार-बार अपराध करने पर अतिरिक्त सजा भी मिलेगी। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, 20 जनवरी को सीमा सुरक्षा अधिकारियों ने न्यूयॉर्क के चुरूबस्को क्षेत्र के पास भोर में उनकी कार रोकी। कार में चार विदेशी नागरिक मिले, जिसमें तीन भारतीय और एक कनाडाई था। जांच में पता चला कि ये लोग बिना जांच-पड़ताल कराए गैर-कानूनी तरीके से यूएस-कनाडा बॉर्डर पार करके आए थे।टेलर के मोबाइल फ़ोन की जांच में कई टेक्स्ट मैसेज मिले, जिनसे पता चला कि वह इससे पहले भी ऐसे कई अवैध कामों में शामिल रही थीं। अधिकारियों का कहना है कि जनवरी में पकड़े जाने के बाद भी अगस्त 2025 में वह एक और संदिग्ध तस्करी मामले में रोकी गई और सितंबर 2025 में भी उनका नाम ऐसी ही गतिविधि में सामने आया।इन आरोपों की घोषणा जस्टिस डिपार्टमेंट के क्रिमिनल डिवीजन के एक्टिंग असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल मैथ्यू आर. गैलेओटी और न्यूयॉर्क के नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट के यूएस अटॉर्नी जॉन ए. सरकोन III ने की।

हॉस्टल में घुसकर बदमाशों ने की फायरिंग, 11 की मौत, 14 घायल

जोहान्सबर्ग एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका में भीषण गोलीबारी की घटना सामने आई है। इस घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। दक्षिण अफ्रीकन पुलिस सर्विस (एसएपीएस) ने इसकी पुष्टि की है कि शनिवार की सुबह प्रिटोरिया में हुई जानलेवा गोलीबारी में 11 लोग मारे गए और 14 घायल हो गए। शनिवार सुबह प्रिटोरिया के पश्चिम में एटेरिजविले के सॉल्सविले हॉस्टल में हुई इस गोलीबारी मामले में जानकारी देते हुए एसएपीएस ने कहा, 25 लोगों को गोली लगी, 11 की मौत की पुष्टि हुई, 14 लोग बच गए और सभी अस्पताल में भर्ती हैं।

सिर्फ खाना ही नहीं....पुतिन के साथ उनका विशेष पानी भी चलता हमेशा साथ

मॉस्को, एजेंसी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दुनिया के उन दुर्लभ नेताओं में शुमार हैं, जो अपने पीने और खाने के पानी को हमेशा अपने साथ रखते हैं। चाहे वह विदेश में किसी दौरे पर हों, उनका पानी हमेशा उनके साथ होता है। इतना ही नहीं, उनका टूथब्रश तक इसी पानी से इस्तेमाल होता है। नहाने और टॉयलेट के लिए पुतिन होटल के पानी का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इसके लिए भी सुरक्षा टीम पहले से पूरी जांच करती है। दुनिया में अमेरिका जैसे देशों के राष्ट्रपति अपने पानी के लिए ऐसा प्रावधान नहीं रखते, लेकिन रूस के पुतिन, उत्तर कोरिया के किम जोंग उन और चीन के शी जिनपिंग अपने खाने

और पीने के पानी को साथ लेकर चलते हैं। जब पुतिन विदेश दौरे पर होते हैं, तब उनके साथ एक टीम होती है, जो उनके खाने-पीने की सामग्री और पानी की सुरक्षा को देखती है। पुतिन के लिए पानी की बोतलें विशेष विमान से आती हैं। जैसे ही वह किसी देश में पहुँचते हैं, उनके लिए लदी हुई बोतलें होटल तक पहुंचाती हैं। दिनभर के कार्यक्रमों, मीटिंग्स और अन्य गतिविधियों में भी उनकी टीम पानी के खास इंतजाम रखती है, ताकि पुतिन को किसी भी समय सुरक्षित पानी मिल सके। सार्वजनिक और अंतरराष्ट्रीय मीटिंग्स में भी उनके पास हमेशा यही पानी रहता है। वह आम तौर पर छोटे-छोटे सिप में पानी पीते हैं और चाय-कॉफी का सेवन नहीं करते। पुतिन के साथ उनकी किचन टीम और फूड टेस्टिंग लैब होती है, जो उनके लिए भोजन तैयार करती है। होटल में पहुंचते ही फटाफट किचन सेटअप होता है और रूस से लाए गए भोजन और सीलबंद बोतलबंद पानी का इस्तेमाल किया जाता है। सुरक्षा टीम यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी वस्तु या पानी असुरक्षित न हो, और किसी भी तरह का वेस्ट तुरंत नष्ट किया जाता है। हालांकि सार्वजनिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि पुतिन अपने विदेशी दौरे में होटल या स्थानीय पानी का बिल्कुल भी उपयोग नहीं करते। वे केवल अपने साथ लाया हुआ रूस का पानी पीते हैं और खाना बनाने में भी इसी पानी का इस्तेमाल किया जाता है। नहाने के लिए होटल का पानी इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन केवल तब जब सुरक्षा टीम ने पूरी तरह जांच लिया हो। हाथ धोना, टूथब्रश या मुंह साफ करने के लिए भी उनके अपने पानी का इस्तेमाल किया जाता है।

बलूचिस्तान में हुई नई हत्याओं ने पाकिस्तान में जबरन गायब किए गए लोगों से निपटने के तरीके पर प्रकाश डाला है

बलूचिस्तान [पाकिस्तान], एजेंसी। बलूचिस्तान में पाकिस्तान के बिगड़ते मानवाधिकार रिकॉर्ड को उजागर करने वाली एक और गंभीर घटना में, तीन जिलों में पांच पुरुषों के क्षत-विक्षत शव पाए गए, जिनमें से एक को पहले जबरन गायब कर दिया गया था, जैसा कि द बलूचिस्तान पोस्ट ने रिपोर्ट किया था। बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, ये खोजें पंजगुर, खलीकाबाद और ज़ेहरी में की गईं, जिससे प्रांत में हत्याओं और गुमशुदगी की बढ़ती संख्या पर चिंता और बढ़ गई है।

पंजगुर की पारोम तहसील में पुल्लाबाद क्षेत्र से बरामद शव की पहचान केच जिले के जमुरान निवासी मुहम्मद उमर के पुत्र अब्दुल वहाब के रूप में हुई। स्थानीय रिपोर्टों से पुष्टि हुई है कि वहाब को 27 अक्टूबर को कथित तौर पर राज्य समर्थित मृत्यु दस्ते द्वारा अपहरण कर लिया गया था। बताया जाता है कि अपहरण के दौरान उसे गोली मार दी गई थी, जिससे उसका एक पैर लकवाग्रस्त हो गया। हफ़्तों तक बंधक बनाए रखने के बाद, गुरुवार

को उसका प्रताड़ित शव फेंका हुआ मिला।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पुतिन का हवाई अड्डे पर व्यक्तिगत रूप से स्वागत करना दर्शाता है कि दोनों देशों के बीच संबंध कितने मजबूत हैं: दक्षिण एशिया विश्लेषक कुगेलमैन खलीकाबाद ज़िले की पुलिस ने बदरंग इलाके में तीन और शव बरामद किए। पीड़ितों के पास से मिले पहचान पत्रों से पता चला कि वे जोहान निवासी खुदा बख़्श, खलीकाबाद निवासी ज़हूर अहमद और काशान निवासी बरकत ख़ान थे, जो लेहरी जनजाति के चचेरे भाई थे। अधिकारियों ने जाँच शुरू कर दी है, लेकिन अपराधियों के बारे में कोई स्पष्ट सुराग नहीं मिल पाया है। इस बीच, खुज़दार ज़िले में ज़ेहरी तहसील के फ़ुटबॉल मैदान के पास सड़क किनारे एक और शव मिला है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित की पहचान सादिकाबाद निवासी मुहम्मद असलम के पुत्र शाहजैब के रूप में हुई है, जिसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई, जैसा कि बलूचिस्तान पोस्ट ने उजागर किया है। मानवाधिकार संगठनों और कार्यकर्ताओं का तर्क है कि दूरदराज के क्षेत्रों में प्रताड़ित शवों की व्यवस्थित बरामदगी, पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों और उनके प्रतिनिधियों द्वारा कथित रूप से जबरन गायब किए जाने और न्यायेतर हत्याओं के परेशान करने वाले पैटर्न को दर्शाती है। हाल के महीनों में दर्जनों पीड़ित वे लोग थे जिन्हें पहले राज्य बलों द्वारा हिरासत में लिया गया था, जिससे क्षेत्र में हिरासत में हिंसा और राज्य दमन की आशंका बढ़ गई है, जैसा कि बलूचिस्तान पोस्ट ने रिपोर्ट किया है।

मंत्री दिलीप शाह ने ली परेड की सलामी, होमगार्ड स्थापना दिवस पर जवानों को किया गया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मुख्यालय स्थित कमांडेंट कार्यालय में आज शनिवार को होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री एवं विकास प्राधिकरण अध्यक्ष दिलीप शाह उपस्थित रहे।

इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय, सीआईडी से लाल प्रमोद सिंह, प्लाटून कमांडर योगेंद्र बहादुर सिंह, एसडीईआरएफ की टीम और आपदा मित्र कार्यक्रम से जुड़े सदस्य भी मौजूद थे। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि दिलीप शाह द्वारा ध्वजारोहण और परेड की सलामी लेने के साथ हुई।

राष्ट्रगान के बाद जवानों ने अपने उत्कृष्ट अनुशासन और दक्षता का प्रदर्शन किया। प्लाटून कमांडर योगेंद्र बहादुर सिंह ने मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री दिलीप शाह ने कहा कि होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा संगठन आपदा प्रबंधन, कानून व्यवस्था और जनसेवा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने जवानों की सेवा भावना की सराहना की।

नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय ने कहा कि आपदा या किसी भी आपात स्थिति में होमगार्ड हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने होमगार्ड जवानों की निष्ठा और समर्पण को प्रेरणादायी बताया।

मंत्री शाह ने आपदा उपकरणों का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने भविष्य में भी हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जवानों और आपदा मित्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नया ट्रांसफार्मर जला, ग्रामीण बोले- 24 घंटे में ट्रांसफॉर्मर ठीक नहीं हुई तो उग्र आंदोलन करेंग

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। पपौंध क्षेत्र की ग्राम पंचायत विजयसोता पिछले चार महीनों से बिजली संकट का सामना कर रही है। गांव को बिजली आपूर्ति करने वाला एकमात्र ट्रांसफॉर्मर बार-बार खराब हो रहा है। हाल ही में लगाया गया नया ट्रांसफॉर्मर भी मात्र एक घंटे में जल गया, जिससे पूरे गांव में फिर से अंधेरा छा गया और ग्रामीणों में आक्रोश है। सरपंच लालमन दहायत ने बताया कि यह ट्रांसफॉर्मर उनके घर के पास लगा है और लगभग 100 घरों की बस्ती को बिजली देता है। पिछले चार महीनों से बार-बार ट्रांसफॉर्मर खराब होने के कारण ग्रामीणों को अंधेरे में रहना पड़ रहा है। इससे बच्चों की पढ़ाई, किसानों की सिंचाई और घरों के दैनिक कामकाज प्रभावित हो रहे हैं।

बिजली समस्या पर ग्रामीण सड़क पर उतरे: समस्या से त्रस्त ग्रामीणों ने शुक्रवार को सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। सरपंच लालमन दहायत ने कहा कि ग्रामीणों का धैर्य अब जवाब दे रहा है। उन्होंने बिजली विभाग को चेतावनी दी है कि यदि 24 घंटे के भीतर नया और सक्षम ट्रांसफॉर्मर नहीं लगाया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार शिकायतें करने के बावजूद विभाग गंभीरता नहीं दिखा रहा है। ट्रांसफॉर्मर की गुणवत्ता और उसके रखरखाव को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी और ठंड दोनों मौसमों में बिना बिजली रहना एक बड़ी चुनौती है, लेकिन इतने लंबे समय तक बिजली संकट के बावजूद विभाग की निष्क्रियता समझ से परे है।

बहरी में सीएम का दौरा आज, कलेक्टर-एसपी ने पार्किंग, एंट्री-एग्ज़िट और वीआईपी प्रोटोकॉल का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बहरी में 7 दिसंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दौरा प्रस्तावित है। इसे लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री इस दौरान जिले में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास करेंगे। साथ ही, वे विभिन्न विभागों की योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ भी वितरित करेंगे। कार्यक्रम को सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए अधिकारी लगातार सक्रिय हैं। शनिवार को कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी और पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सुबह कलेक्ट्रेट सभागार में सभी विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। इसके बाद, अधिकारी दल के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचकर व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। यह जानकारी जिला जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मिश्रा द्वारा साझा की गई। कलेक्टर ने मंच व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, अतिथि सत्कार, मीडिया प्रबंधन, स्वागत-दल की तैयारी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, पेयजल और स्वच्छता सहित सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की गरिमा को ध्यान में रखते हुए सभी कार्य समयसीमा में और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। हितग्राही लाभ वितरण संबंधी व्यवस्थाओं को भी सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने सुरक्षा और ट्रैफिक प्लान प्रस्तुत किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, प्रवेश व निकासी मार्गों की अलग व्यवस्था करने, पार्किंग प्रबंधन, वीआईपी सुरक्षा प्रोटोकॉल तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र को सक्रिय रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस दलों को किसी भी परिस्थिति के लिए सतर्क और तैयार रहने को कहा। इस निरीक्षण दौरे में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, उपखंड अधिकारी सिहावल प्रिया पाठक, एसडीएम चुरहट शैलेश द्विवेदी और राकेश शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बहरी पीएचसी परिसर में जनरल स्टोर पर दवा बिक्री, मेडिकल एसोसिएशन लामबंद, कार्रवाई न होने पर करेंगे आंदोलन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में एक जनरल स्टोर पर दवाइयां बेचे जाने का मामला सामने आया है। इसको लेकर मेडिकल एसोसिएशन ने आपत्ति जताई है और कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। यह मामला सिहावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत बहरी पीएचसी परिसर के बगल में स्थित 'खुशबू जनरल स्टोर' से जुड़ा है। यहां मरीजों को दवाइयां दी जा रही थीं। इस संबंध में एक वीडियो भी सामने आया था, जिसके बाद शनिवार को मेडिकल एसोसिएशन ने इस पर संज्ञान लिया।

आंदोलन की दी चेतावनी: सीधी मेडिकल एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष मनोज सिंह चौहान कई सदस्यों के साथ बहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। उन्होंने इस कृत्य को नियम विरुद्ध बताते हुए इसकी कड़ी आलोचना की। उन्होंने प्रशासन और सरकार से इस पर तत्काल कार्रवाई की मांग की और चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे। जब दुकान संचालक से इस विषय में पूछा गया, तो उन्होंने संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

डॉक्टर की मिलीभगत आई सामने: बातचीत के दौरान कई मरीजों के परिजनों ने आरोप लगाया कि बहरी पीएचसी में पदस्थ डॉक्टर अमित वर्मा की मिलीभगत से अस्पताल से दवाइयां नहीं दी जातीं, बल्कि उन्हें जनरल स्टोर से खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है।

यातायात नियमों का उल्लंघन, 1215 चालकों पर कार्रवाई; 6.30 लाख रुपए जुर्माना वसूला

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पुलिस द्वारा एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 26 नवंबर से 10 दिसंबर 2025 तक चलने वाले इस 15 दिवसीय अभियान के तहत, पहले दस दिनों में 1215 से अधिक वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई है। इस दौरान 6 लाख 30 हजार रुपए से अधिक का जुर्माना वसूला गया।

ट्रैफिक पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले 754 चालकों से 2 लाख 26 हजार 200 रुपए का जुर्माना वसूला गया। इसके अतिरिक्त, बिना वैध बीमा के 11 वाहनों पर 11 हजार रुपए, बिना एचएसआरपी नंबर प्लेट वाले 320 वाहनों पर 1 लाख 60 हजार रुपए और तेज गति से वाहन चलाने वाले 10 चालकों पर 10 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया गया। अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 110 वाहन चालकों से 2 लाख 23 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया है।

इस अभियान के तहत, पुलिस लगातार ट्रैफिक चेकिंग के साथ-साथ शासन की यातायात सुरक्षा योजनाओं का भी प्रचार-प्रसार कर रही है। राहगीर योजना, हिट एंड रन पीड़ित प्रतिकर योजना और कैशलेस उपचार जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दी जा रही है। इसके लिए मुख्य चौराहों, पेट्रोल पंपों, पार्कों और सरकारी कार्यालयों में फ्लेक्स-बैनर लगाए गए हैं।

रश्मि-अंजली ने नेशनल कराटे में जीता कांस्य पदक, वाराणसी चैंपियनशिप में रानी लक्ष्मीबाई कार्यक्रम से मिला प्रोत्साहन

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। दो छात्राओं ने राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल गोरबी कालरी की रश्मि शाहू और अंजली केवट ने वाराणसी, उत्तर प्रदेश में 2 से 5 दिसंबर तक आयोजित 10वीं ऑल इंडिया एसएसकेएफ कराटे चैंपियनशिप में यह उपलब्धि हासिल की। रश्मि ने कुमेती इवेंट की जूनियर कैटेगरी के 45 किलोग्राम वर्ग में, वहीं अंजली ने 50 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता। दोनों छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित प्रेक्टिस, स्कूल में मिले सेल्फ डिफेंस और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने बताया कि ताइक्वांडो और कराटे जैसी मार्शल आर्ट्स सीखने से न केवल आत्मरक्षा में निपुणता आई, बल्कि खेल जगत में आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी बढ़ा।

दोनों छात्राओं ने कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया: स्कूल में रानी लक्ष्मीबाई सेल्फ डिफेंस कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत बालिकाओं को सेल्फ डिपेंडेंट और आत्मविश्वासी बनाने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। इसी प्रशिक्षण ने छात्राओं को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

रश्मि और अंजली की इस उपलब्धि से स्कूल के शिक्षकों और उनके परिजनों में खुशी का माहौल है। उनका मानना है कि इन छात्राओं ने जिले की अन्य बालिकाओं के लिए प्रेरणा स्थापित की है। दोनों छात्राओं ने भविष्य में देश और प्रदेश के लिए स्वर्ण पदक जीतने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है।

रिश्ते के भाई ने किया 7 वर्षीय बहन का शोषण, साथ खेलते-खेलते दिया घटना को अंजाम; बच्ची को थाने लेकर पहुंचे परिजन

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में एक शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जहां 7 साल की मासूम बच्ची के साथ उसके ही रिश्ते के नाबालिग भाई द्वारा गलत कृत्य किए जाने की घटना प्रकाश में आई है। जानकारी के अनुसार बच्ची घर पर अकेली थी, तभी मौका पाकर नाबालिग ने उसके साथ अनैतिक हरकत की।

इसी दौरान जब बालिका की मां अचानक मौके पर पहुंची, तब यह पूरा मामला सामने आया। मां को देखते ही बालक वहां से भाग गया। पुलिस ने बताया कि दोनों बच्चे खेल रहे थे तभी यह घटना हुई है अचानक मां पहुंची तब कहीं जाकर मामला खुल पाया है। घटना से घबराई मां ने तुरंत परिवार के अन्य सदस्यों को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। इसके बाद परिजन बच्ची को साथ लेकर थाने पहुंचे और पुलिस से शिकायत की। परिजनों द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल प्रकरण दर्ज करते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अजय कुमार बैगा ने बताया कि शिकायत प्राप्त होते ही पुलिस ने बालिका का मेडिकल परीक्षण करवाया और नाबालिग को अपने कब्जे में ले लिया है। उन्होंने बताया कि गंभीर आरोपों को देखते हुए कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की विवेचना की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है कि नाबालिक ,बच्ची का रिश्ते का भाई है। पुलिस ने नाबालिक बालक को न्यायालय के समक्ष पेश किया है और आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

पेड़ से लटका मिला महिला का शव, थाना प्रभारी बोले- सास से झगड़े के बाद लगाई फांसी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। दुलदारा गांव में एक महिला ने घरेलू विवाद के बाद आत्महत्या कर ली। गोहपारू पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। गोहपारू थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा के अनुसार, मृतक महिला का नाम कमला यादव है। बताया गया कि कमला अपने बच्चों को किसी घरेलू बात पर पीट रही थीं। बच्चों के रोने की आवाज सुनकर उनकी दादी वहां पहुंचीं और कमला से बच्चों को पीटने का कारण पूछा। इसी बात को लेकर सास-बहू के बीच विवाद बढ़ गया।

धान खरीदी केंद्र की शिकायत पर एक्शन, अनियमितता की शिकायत पर 15 मिनट में जांच शुरू; किसानों के बयान दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रामपुर नैकिन में धान खरीदी केंद्र पर अनियमितताओं की शिकायत मिलने के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की। कलेक्टर स्वरोचिस सोमवंशी के निर्देश पर महज 15 मिनट के भीतर अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। किसानों ने आरोप लगाया था कि समिति में धान की खरीदी के दौरान निर्धारित 40 किलो की जगह 41 किलो प्रति बोरी तौली जा रही थी। इसके अतिरिक्त, किसानों से प्रति बोरी 6 रुपये मजदूरी के रूप में भी वसूले जा रहे थे।

यह शिकायत शनिवार शाम करीब 4:50 बजे किसान राजेश शुक्ला ने सीधे कलेक्टर सोमवंशी से की थी। कलेक्टर ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश जारी किए। कलेक्टर के सख्त रुख का असर यह हुआ कि रामपुर नैकिन के तहसीलदार आशीष मिश्रा, नायब तहसीलदार महेंद्र द्विवेदी और कृषि विभाग के अधिकारियों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम ने खरीदी केंद्र पर मौजूद किसानों से बातचीत की और उनके बयान दर्ज किए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शासन के निर्देशों और गाइडलाइन के अनुसार ही हर स्तर पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। किसान राजेश शुक्ला ने प्रशासन की इस त्वरित प्रतिक्रिया पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह किसानों के लिए एक सकारात्मक संदेश है।

पुलिस ने जब्त किए दो रेत से भरे ट्रैक्टर, परिवहन पर दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज

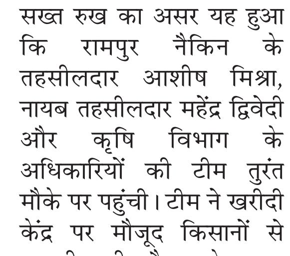

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। अवैध रेत खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जयसिंहनगर पुलिस ने दो ट्रैक्टर जब्त किए हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर यह कार्रवाई भटीगवां खुर्द तिराहे से मुखबिर की सूचना पर की गई। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, जब्त किए गए दोनों ट्रैक्टरों में अवैध रूप से रेत का परिवहन किया जा रहा था। इस संबंध में कृष्ण कुमार मिश्रा और जयप्रकाश सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस क्षेत्र में लंबे समय से रेत का अवैध खनन और परिवहन जारी था। उनका आरोप है कि यह अवैध कारोबार खनिज विभाग और पुलिस की कथित मिलीभगत से चल रहा था। लोगों ने इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से की थी, जिसके बाद थाना पुलिस ने कार्रवाई की। जब्त किए गए दोनों ट्रैक्टरों को थाने में खड़ा कराया गया है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ खनिज अधिनियम और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के नदी-नालों से रेत माफिया दिन-रात खनन कर रहे हैं, लेकिन खनिज विभाग और स्थानीय पुलिस इस पर ध्यान नहीं देती।

भाजपा ने अंबेडकर प्रतिमा पर दी श्रद्धांजलि, महापरिनिर्वाण दिवस पर सामाजिक समरसता का संदेश दिया

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। शनिवार को डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की पुण्यतिथि (महापरिनिर्वाण दिवस) पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिले के अंबेडकर चौराहे पर हुआ, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुंदरलाल शाह, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडे और सिंगरौली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष दिलीप शाह सहित 30 से 40 भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। उपस्थित सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने सामाजिक समानता और संविधान के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करने का संकल्प लिया। जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और देश निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद किया।

शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों को सम्मान दिलाया: भाजपा जिला अध्यक्ष सुंदरलाल शाह ने इस अवसर पर कहा कि बाबासाहेब ने करोड़ों शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों को सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार दिलाया। उन्होंने जोर दिया कि हमें उनके विचारों और संविधान की मर्यादा को सर्वोच्च मानकर समाज में भाईचारे और समानता को आगे बढ़ाना चाहिए। इस कार्यक्रम में शहर के कई सामाजिक संगठनों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने भी पहुंचकर डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर जिले के अन्य स्थानों पर भी श्रद्धासुमन अर्पित करने और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में डॉ. अंबेडकर के विचारों को आत्मसात करने और उन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिनकी यात्रा के दौरान भारत और रूस के बीच बनी सहमति द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने के साथ-साथ पश्चिम के लिए भी संदेश है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि उसकी विदेश नीति राष्ट्रीय हितों और अपने लोगों की जरूरत के हिसाब से तय होती है। आगे भी यही स्वतंत्र नीति जारी रहेगी।

दबाव नहीं॰ यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन की इस पहली भारत यात्रा पर पूरी दुनिया की नजरें थीं। अमेरिका-यूरोप यूक्रेन युद्ध रुकवाने के लिए लगातार दबाव बना रहे हैं, जबकि यही ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने से पहले इसे भड़का रहे थे। वहीं, भारत हमेशा से

राष्ट्रीय हित सर्वोपरि, रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा भारत, व्यापार बढ़ाने पर फोकस

संपादकीय

कहता रहा है कि शांति होनी चाहिए। शुक्रवार को हुए संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत ने यूक्रेन युद्ध खत्म करवाने में भूमिका निभाने की बात कही। मगर यह भी कहा कि वह किसी तरह के दबाव को नहीं मानेगा।

व्यापार पर फोकस॰ पुतिन और मोदी ने द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा है। 2024-25 में दोनों के बीच 68.7 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था, लेकिन इसमें एक बड़ा हिस्सा रूस से खरीदे गए कच्चे तेल का था।अमेरिका पर प्रेशर॰ द्विपक्षीय व्यापार में पलड़ा अभी मॉस्को की तरफ झुका हुआ है और भारत के पास मौका है कि वह इसमें संतुलन लाए। यूरेशियन इकॉनमिक यूनियन के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होने से व्यापार में सहूलियत होगी। फिलहाल इस पर बात चल रही है। भारत-रूस के बीच इस सहमति से अमेरिका पर भी दबाव बनेगा, जिसकी एक टीम ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत करने के लिए अगले हफ्ते भारत आने वाली है।

तेल खरीद॰ पुतिन ने कहा है कि वह भारत को तेल की आपूर्ति करना जारी रखेंगे। यह बात बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका को सबसे ज्यादा दिक्कत भारत की रूसी तेल खरीद से ही है। लेकिन, जो देश अपनी जरूरत का 85त्न क्रूड ऑयल बाहर से खरीदता हो, उसके लिए दाम में थोड़ी भी भी कमी बड़ा अंतर लाती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, रूस से तेल आयात बढ़ाने पर पहले दो साल में भारत को करीब 13 अरब डॉलर का फायदा हुआ था।

रक्षा संबंध॰ इस दौरे से भारत-रूस के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग और बढ़ सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स-400 डिफेंस सिस्टम का प्रदर्शन शानदार रहा, जिसके बाद भारत इसकी और यूनिटें खरीदना चाहता है। परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, पुतिनका यह दौरा दोनों देशों के संबंधों को नए दौर में ले जाएगा।

ध्रुव तारे की तरह अटल है भारत-रूस की दोस्ती

सनत जैन

भारत-रूस के दोस्ताना ताल्लुक सात दशक से बराबर चले आ रहे हैं। फिर चाहे राजनीतिक, आर्थिक या सांस्कृतिक संबंधों की बात ही क्यों न हो। हिन्दी सिने जगत ने तो दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में अहम भूमिका अदा की। वैश्विक धरातल पर फिल्मी जगत की बात करें तो राज कपूर का नाम जरुर आता है, जिन्होंने 70 एमएम के रुपहले पर्दे पर मेरा नाम जोकर फिल्म को प्रदर्शित कर भारत-रुस संबंधों को एक तरह से मजबूत करने में सहयोग प्रदान किया। भारतङ्करूस संबंध आज उस ऐतिहासिक विरासत के साथ खड़े हैं, जिसकी जड़ें बीते कई दशकों में गहराई तक जा पहुंची हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मुलाकात के दौरान जब इस दोस्ती को ध्रुव तारे जैसा अटल बताया, तो यह सिर्फ कूटनीतिक विनम्रता नहीं थी; बल्कि उन यादों, संघर्षों और वैश्विक उथल-पुथल का सम्मान था, जिनमें यह संबंध समय-समय पर परखे गए और हर बार पहले से अधिक मजबूत होकर उभरे। एक नया दौर वर्ष 2000 में शुरु हुआ, जब पुतिन और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रणनीतिक संबंधों का ढांचा तैयार किया। इसके मात्र दस वर्ष बाद इसे 'स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' के स्तर तक उन्नत कर दिया गया। यह वही समय था जब दुनिया आतंकवाद, आर्थिक संकट और नई शक्ति-संरचनाओं के बीच खुद को पुनर्परिभाषित कर रही थी। इसके बावजूद भारतङ्करूस संबंध स्थिर रहे, एक ऐसे स्थायित्व का प्रतीक, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने ध्रुव तारा कहकर परिभाषित किया है। पिछ्ले ढाई दशकों में रूस ने भारत के साथ रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष और विज्ञान के क्षेत्रों में गहरे सहयोग का ताना-बाना बुना। चाहे ब्रह्मोस मिसाइल की संयुक्त परियोजना हो, एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की खरीद हो, या फिर कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र, इन सभी ने इस साझेदारी को वास्तविक और प्रभावशाली रूप दिया। ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर रूस भारत का एक विश्वसनीय स्तंभ रहा है। पीएम मोदी ने इसे साझेदारी का मजबूत स्तंभ बताया है और यह सही भी है, क्योंकि सिविल न्यूक्लियर ऊर्जा से लेकर क्रूड ऑयल तक, रूस ने भारत की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई है। आज जब दुनिया नई तकनीकों, स्वच्छ ऊर्जा और क्रिटिकल मिनरल्स पर आधारित नई औद्योगिक क्रांति की ओर बढ़ रही है, तो भारत और रूस का सहयोग एक बार फिर निर्णायक साबित हो गया है। क्रिटिकल मिनरल्स में संयुक्त पहलों से सुरक्षित सप्लाई चेन बनेगी, वहीं शिपबिल्डिंग सहयोग 'मेक इन इंडिया' को नई गति देगा। यह सहयोग सिर्फ औद्योगिक लाभ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रोजगार, कौशल और क्षेत्रीय संपर्कता को लेकर भी गहरे प्रभाव डालेगा।

इतिहास गवाह है कि भारतङ्करूस की दोस्ती संकटों और संघर्षों की भट्टी में तपकर बनी है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी पहलगाम पर हुए आतंकवादी हमले से लेकर रूस के क्रोकस सिटी हॉल हमले तक का ज़िक्र करते हुए कहते हैं, कि आतंकवाद की जड़ें भले भिन्न भूभागों में हों, पर उद्देश्य एक ही होता है, मानवता पर हमला। यही कारण है कि भारत और रूस ने अंतरराष्ट्रीय मंचों, यूएन, जी-20, ब्रिक्स, एससीओ सभी पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाई है। दोनों देशों की यह नैतिक एकता वैश्विक राजनीति में एक संतुलनकारी भूमिका निभाती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते आतंकवादी हमले और शांतिप्रिय देशों की बढ़ती परेशानी के बीच जब आज प्रधानमंत्री मोदी यह कहते हैं, कि भारत न्यूट्रल नहीं है, भारत शांति के पक्ष में है।, तो यह वक्तव्य वैश्विक कूटनीति के एक नए दृष्टिकोण की ओर संकेत करता है। गुटनिरपेक्षता के धरातल पर चलते हुए भारत शांति को अपनी विदेश नीति का केंद्र मानता है और रूस के साथ मिलकर इस दिशा में काम करता रहा है। पुतिन द्वारा राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करना इसी संदेश को आगे बढ़ाता है कि शक्ति और शांति की अवधारणाएँ एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकती हैं। इस अवसर पर यह स्वीकारना आवश्यक है, कि रूसङ्कभारत संबंध पुतिन के नेतृत्व में नई ऊंचाइयों तक पहुंचे

दिलों पर राज करते हैं बाबा साहब

(लेखक - मुस्ताअली बोहरा / ईएमएस)

भारत रत्न, महान मर्मज्ञ, अर्थशास्त्री, संविधान शिल्पी, आधुनिक भारत की नींव रखने वाले, इतिहास के ज्ञाता, तत्वज्ञानी, मानव शास्त्र के ज्ञाता, कानूनविद, मानवाधिकार के संरक्षक, पाली साहित्य के अध्ययनकर्ता, महान लेखक, समाज सुधारक, राजनीतिज्ञ, संपादक, बौद्ध साहित्य के अध्ययनकर्ता, मजदूरों के मसीहा, इतिहासविद, प्रोफेसर, शिक्षाविद, आजाद भारत के पहले कानून मंत्री डॉ. भीमराव आंबेडकर जिन्हें पूरी दुनिया प्यार और सम्मान के साथ बाबा साहब के नाम से पुकारती है। वह अपने युग के सबसे ज्यादा पढ़े लिखे राजनेता और एवं विचारक थे। 1990 में उन्हें मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया है। उनका मूल नाम भीमराव है। यूं तो इतिहास में कई महापुरुष हुए लेकिन बाबा साहब जैसा शायद ही कोई हुआ हो। बाबा साहेब ने अपने विचार और काम, दोनों के जरिए समाज को जो दिया वैसा योगदान किसी और का नहीं है। सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, संवैधानिक, शैक्षणिक सहित शायद ही ऐसा कोई क्षेत्र हो जिसमें बाबा साहब का योगदान ना हो। बाबा साहब चाहते थे कि दलितों को जो अधिकार मिलने चाहिए, वे उन्हें हासिल हों, देश-समाज में उनका सम्मान बढ़े, दलितों का स्तर ऊँचा उठे और उन्हें बराबरी का दर्जा हासिल हो। बाबा साहब ने कहा कि उनका जीवन तीन गुरुओं और तीन उपास्यों से कामयाब बना है। उन्होंने जिन तीन महान व्यक्तियों को अपना गुरु माना, उसमे उनके पहले गुरु थे तथागत गौतम बुद्ध, दूसरे थे संत कबीर और तीसरे गुरु थे महात्मा ज्योतिराव फुले थे। उनके तीन उपास्य थे ज्ञान, स्वाभिमान और शील। आज भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के और भी कई देशों में आम्बेडकरवाद का प्रचार और प्रसार हो रहा है। स्वतंत्रता, समानता, भाईचारा, बौद्ध धर्म, विज्ञानवाद, मानवतावाद, सत्य, अहिंसा ही आम्बेडकरवाद के सिद्धान्त हैं। छुआछूत को खत्म करना, दलितों में सामाजिक सुधार, भारतीय संविधान में निहीत अधिकारों तथा मौलिक हकों की रक्षा करना, जाति मुक्त समाज की रचना ही इसका मकसद है। आम्बेडकरवाद सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक विचारधारा है। बता दें कि वह कुल 64 विषयों में मास्टर थे, 32 डिग्रियों के साथ 9 भाषाओं के जानकार थे, इसके साथ ही उन्होंने विश्व के सभी धर्मों के बारे में पढ़ाई की थी। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में मात्र 2 साल 3 महीने में 8 साल की पढ़ाई पूरी की थी। वह लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से 'डॉक्टर ऑल साइंस' नामक एक दुर्लभ डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त करने वाले भारत के ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के पहले और एकमात्र व्यक्ति हैं।

बाबा साहेब का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू नगर में हुआ था। उनके पिता का नाम रामजी मालोजी सकपाल और उनकी माता का नाम भीमाबाई सकपाल है। डॉ बाबा साहेब का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। उन्होंने बचपन से ही जाति भेदभाव और असमानता का सामना किया। वे ज़िंदगी भर समाज में अधिकार, समानता और न्याय के लिए संघर्ष करते रहे। उन्हें बचपन से ही पढ़ने का शौक था। उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की और अंततः लंदन के अंग्रेजी विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने के बाद भारत लौटे। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स दोनों ही विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त कीं तथा विधि, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में शोध कार्य भी किये थे। भारत लौटने के बाद उन्होंने अपना जीवन सामाजिक सुधार कार्यों में लगा दिया। वे अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे एवं वकालत भी की। इसके बाद का जीवन राजनीतिक गतिविधियों में अधिक बीता। डॉ अम्बेडकर ने आजादी में भी अहम योगदान दिया। साथ ही पत्रिकाओं को प्रकाशित करने, राजनीतिक अधिकारों की वकालत करने के साथ ही दलितों के लिए सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत की। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी व उनका का परिवार संत कबीर की विचारधारा से खासा प्रभावित था और संत कबीर के ज्ञान को आधार बनाकर जीवन जीता था। हिंदू पंथ में व्याप्त कुरूतियों और छुआछूत की प्रथा से तंग आकार सन 1951 में बाबा साहब ने बौद्ध धर्म अपना लिया था। 14 अप्रैल को उनका जन्म दिवस आम्बेडकर जयंती के तौर पर भारत समेत दुनिया भर में मनाया जाता है। बाबा साहब का महापरिनिर्वाण 6 दिसंबर 1956 को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में हुआ, इस दिन को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

भीमराव आंबेडकर वर्ष 1948 से मधुमेह बीमारी से पीड़ित थे। वर्ष 1954 में जून से अक्टूबर तक काफी बीमार रहे और उन्हें देखने में भी परेशानी होने लगी थी। बावजूद इसके वे 1955 तक काम करते रहे। 3 दिसंबर 1956 को डॉ भीमराव अंबेडकर ने अपनी अंतिम पांडुलिपि बुद्ध और धम्म उनके को पूरा किया। इसके तीन दिन बाद ही 6 दिसम्बर 1956 को बाबासाहेब का महापरिनिर्वाण दिल्ली स्थित उनके घर में हो गया। निधन के समय उनकी आयु 64 वर्ष और सात महीने की थी। दिल्ली से विशेष विमान द्वारा उनका पार्थिव मुंबई में उनके घर राजगृह में लाया गया। बाबा साहेब का अंतिम संस्कार 7 दिसंबर को मुंबई में दादर चैपाटी समुद्र तट पर बौद्ध शैली में किया गया।उनके अंतिम संस्कार के समय उनके पार्थिव को साक्षी रखकर उनके 10,00,000 से अधिक अनुयायियों ने भदन्त आनन्द कौसल्यायन द्वारा बौद्ध धर्म की दीक्षा ली थी। दरअसल, डॉ अम्बेडकर ने 16 दिसंबर 1956 को मुंबई में एक बौद्ध धर्मांतरण कार्यक्रम आयोजित किया था, इसी का स्मरण करते हुए लोगों ने बौद्ध धर्म की दीक्षा ली। मालूम हो कि अंबेडकर जयंती पर सार्वजनिक अवकाश रखा जाता है। बाबा साहब की जयंती (14 अप्रैल), महापरिनिर्वाण यानी पुण्यतिथि (6 दिसम्बर) और धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस (14 अक्टूबर) को चैत्य भूमि (मुंबई), दीक्षा भूमि (नागपूर) तथा भीम जन्मभूमि (महू) में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने लाखों लोग एकत्रित होते हैं। अनुमान के मुताबिक इन मौकों पर 20 लाख से ज्यादा लोग इकट्ठा होते हैं। डॉ भीमराव अम्बेडकर का जन्मदिन समानता दिवस और ज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉ. आम्बेडकर को ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। भारत सहित दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में 14 अप्रैल को अम्बेडकर जयंती या भीम जयंती पर कार्यक्रम होते हैं। बाबा साहब विश्व भर में मानवाधिकार आंदोलन, संविधान निर्माता और प्रकांड विद्वता के लिए जाने जाते हैं। बाबा साहब ने समानता और मानवता आधारित भारतीय संविधान को 2 साल 11 महीने और 17 दिन में तैयार करने का महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक काम किया। बाबा साहब की पहली जयंती सदाशिव रणपिसे ने 14 अप्रैल 1928 में पुणे में मनाई थी। हाथी और उंट को सजाकर उनकी पीठ पर बाबा साहब की प्रतिमा और फोटो रखकर शोभा यात्रा निकाली गई थी। डॉ अम्बेडकर के जन्मदिन पर हर साल उनके करोड़ों अनुयायी उनके जन्मस्थल महू (मध्य प्रदेश), बौद्ध धम्म दीक्षा स्थल दीक्षाभूमि, नागपुर, उनकी समाधी स्थल चैत्य भूमि, मुंबई सहित अन्य स्थानों पर इकट्ठा होते है। सरकारी दफ्तरों और बौद्ध-विहारों में भी आम्बेडकर की जयंती मनाकर उन्हें नमन किया जाता है। गूगल ने डॉ. अम्बेडकर की 125वीं जयंती 2015 पर अपने गूगल डूडल पर उनकी तस्वीर लगाकर उन्हें अभिवादन किया था। तीन महाद्वीपों के देशों में यह डुडल था। सन 2016 में भारत सरकार ने भव्य तौर पर बाबा साहब की 125 वी जयंती मनाई थी। इस दिन पूरे देश में सार्वजनिक अवकाश के रूप में घोषित किया गया।

सोशल मीडिया की बढ़ती अफवाहें पुलिस के लिए नई चुनौती

संदीप द्विवेदी
संपादक मीडिया ऑडीटर

डिजिटल युग में जहाँ स्मार्टफोन आम जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन चुका है वहीं सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहें समाज और कानून–व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही हैं। आज लगभग हर व्यक्ति के हाथ में स्मार्टफोन है और लोग दिनभर उसके माध्यम से जानकारी मनोरंजन और संचार में व्यस्त रहते हैं। लेकिन इसी डिजिटल सुविधा ने एक नया संकट जन्म दिया हैऐसी पोस्टें जो बिना सोचे–समझे वायरल कर दी जाती हैं और जिनकी वजह से किसी की इज्जत प्रतिष्ठा और कई बार जीवन तक खतरे में पड़ जाता है।

सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यहाँ गति सत्य से तेज है। सूचना की सत्यता की पुष्टि किए बिना ही लोग पोस्ट आगे बढ़ा देते हैं। कई बार मज़ाक या गुस्से में की गई एक पोस्ट किसी व्यक्ति या परिवार के लिए बदनामी का कारण बन सकती है। दुर्भाग्य से ऐसी घटनाएँ कम नहीं जहाँ झूठ या अपुष्ट जानकारी वायरल होने पर प्रभावित व्यक्ति मानसिक दबाव में आकर आत्मघाती कदम तक उठा लेता है। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि समाजिक चेतना और जिम्मेदारी पर प्रश्नचिह्न है।

पुलिस विभाग के लिए भी यह एक गंभीर चुनौती बन चुका है। पहले जहाँ अपराध की सूचना पारंपरिक माध्यमों से मिलती थी अब फर्जी खबरें, फोटो पुराने वीडियो और भ्रामक संदेशों का प्रवाह इतना तेज है कि वास्तविकता तक पहुँचने में समय और संसाधनों दोनों की बड़ी खपत हो जाती है। कई बार किसी घटना के बारे में सोशल मीडिया पर वायरल अफवाहें क्षेत्र में तनाव और कानून–व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ देती हैं। पुलिस को तत्काल सफाई जारी कर लोगों को विश्वास में लेने की मजबूरी होती है।

जानकारी के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में साइबर अपराध, फेक न्यूज प्रतिष्ठा हनन और सोशल मीडिया दुरुपयोग से जुड़े मामलों में तेजी आई है। पुलिस लगातार जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सलाह दे रही है कि बिना पुष्टि के कोई भी पोस्ट वीडियो या संदेश साझा न करें। इसके बावजूद कई लोग भावनाओं में बहकर या केवल वायरल करने के उद्देश्य से ऐसी सामग्री फैलाते हैं जो किसी की सामाजिक स्थिति और जीने का हक दोनों छीन लेती है।

मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि सोशल मीडिया पर चरित्र विवाद गलत आरोप या मजाक उड़ाने वाली पोस्टें व्यक्ति को मानसिक अवसाद की ओर धकेल सकती हैं। कई मामलों में देखा गया है कि युवाओं ने सिर्फ एक अपमानजनक पोस्ट या छेड़छाड़ किए गए फोटो के वायरल होने पर आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया। यह केवल डिजिटल शरारत नहीं बल्कि गंभीर अपराध है जिसके लिए कानून में सख्त प्रावधान हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि अवैध या भ्रामक पोस्ट फैलाने वालों पर आईटी एक्ट साइबर अपराध नियमों और आईपीसी की धाराओं के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। पुलिस भी ऐसे मामलों में निगरानी बढ़ा चुकी है और लोगों से संयम और जिम्मेदारी से सोशल मीडिया इस्तेमाल करने की अपील कर रही है।

समाज के स्तर पर भी यह समझने की जरूरत है कि सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि एक शक्तिशाली मंच है। यहाँ फैलाया गया शब्द, तस्वीर या वीडियो किसी के जीवन को बना भी सकता है और बिगाड़ भी सकता है। जिम्मेदारी इसी में है कि हम पोस्ट को शेयर करने से पहले सोचें क्या यह सच है? क्या इससे किसी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँच सकता है? क्या यह समाज में गलत संदेश फैलाएगा?

आज के दौर में तकनीक का जिम्मेदार उपयोग समय की मांग है। सोशल मीडिया के दुरुपयोग से न केवल समाज में अविश्वास और तनाव बढ़ रहा है बल्कि कई परिवारों को अपूरणीय क्षति भी हो रही है। इसलिए आवश्यक है कि हर नागरिक खासकर युवा डिजिटल विवेक और संवेदनशीलता के साथ सोशल मीडिया का उपयोग करें ताकि अफवाहें न फैलें और किसी की प्रतिष्ठा तथा जीवन सुरक्षित रहे।

ताइवान संकट, जापान की सुरक्षा नीति और भारत के लिए बदलता इंडो-पैसिफिक समीकरण

भौगोलिक निकटता, समुद्री हितों और ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं के कारण जापान ताइवान की स्थिरता को अपने ही राष्ट्रीय सुरक्षा हितों का विस्तार मानता है। पिछले कुछ वर्षों में चीन द्वारा ताइवान के आसपास की सैन्य गतिविधियों में तेज़ी- चाहे वह वायु क्षेत्र का उल्लंघन हो, मिसाइल परीक्षण हों या बड़े पैमाने पर नौसैनिक अभ्यास ने जापान की खतरा-धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। साल 2022 में चीनी मिसाइलों का जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में गिरना इस बात का सटीक संकेत था कि ताइवान संकट सीधे जापान के भू-राजनीतिक वातावरण को प्रभावित करता है।

डॉ प्रियंका सौरभ

जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव के केंद्र में आज ताइवान का प्रश्न है, जिसने पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शक्ति-संतुलन को नया मोड़ दे दिया है। भौगोलिक निकटता, समुद्री हितों और ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं के कारण जापान ताइवान की स्थिरता को अपने ही राष्ट्रीय सुरक्षा हितों का विस्तार मानता है। पिछले कुछ वर्षों में चीन द्वारा ताइवान के आसपास की सैन्य गतिविधियों में तेज़ी- चाहे वह वायु क्षेत्र का उल्लंघन हो, मिसाइल परीक्षण हों या बड़े पैमाने पर नौसैनिक अभ्यास ने जापान की खतरा-धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। साल 2022 में चीनी मिसाइलों का जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में गिरना इस बात का सटीक संकेत था कि ताइवान संकट सीधे जापान के भू-राजनीतिक वातावरण को प्रभावित करता है।

इसी कारण जापान ने अपनी सुरक्षा-रणनीति में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। दशकों से चले आ रहे शांतिवादी दृष्टिकोण के बावजूद उसने रक्षा-व्यय को दोगुना कर जीडीपी के 2त्न तक ले जाने का निर्णय लिया है। लंबे समय से निष्क्रिय पड़े सैन्य ढाँचों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, दक्षिण-पश्चिमी द्वीपों पर नई मिसाइल तैनाती की जा रही है और अमेरिका के साथ संयुक्त संचालन क्षमता को काफी बढ़ाया गया है। जापान समझता है कि यदि ताइवान में संघर्ष उत्पन्न होता है तो चीन की आक्रामकता सेंकाकू द्वीपों और जापानी जलक्षेत्रों की ओर भी बढ़ सकती है। इसलिए उसकी पूरी सुरक्षा-दृष्टि अब ताइवान जलडमरूमध्य की स्थिरता से गहराई से जुड़ चुकी है।

यह परिवर्तन उसकी विदेश-नीति में भी स्पष्ट दिखाई देता है। पहले जहाँ जापान ताइवान मुद्दे पर खुलकर बोलने से कतराता था, आज वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार ÷ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता÷ को अनिवार्य बता रहा है। चीन के प्रति उसका कूटनीतिक रुख कहीं अधिक सख्त हुआ है। ताइवान को लेकर जापानी प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर चीन की धमकियों के बाद जापान द्वारा चीनी राजदूत को तलब करना इस बदलाव का प्रतीक है। साथ ही जापान अब क्वाड, आसियान देशों और यूरोपीय साझेदारों के साथ नई सुरक्षा-संरचनाएँ विकसित कर रहा है, ताकि चीन की बढ़ती सैन्य क्षमता का संतुलन बनाया जा सके।

यह संपूर्ण परिदृश्य भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत और जापान दोनों चीन की आक्रामक प्रवृत्ति से चिंतित हैं, इसलिए दोनों देशों के बीच सुरक्षा-सहयोग स्वाभाविक रूप से गहरा हो रहा है। क्वाड की सामरिक महत्ता बढ़ी है और हिंद-प्रशांत में समुद्री निगरानी, नौसैनिक अभ्यास और तकनीकी सहयोग में तेजी आई है। जापान का सैन्य आधुनिकीकरण भारत के लिए रक्षा-उद्योग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में नए अवसर खोलता है।

परंतु चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। भारत चीन के साथ स्थिर संबंध बनाए रखना चाहता है, क्योंकि सीमा-क्षेत्र की शांति और आर्थिक सहयोग उसकी प्रत्यक्ष आवश्यकता है। किंतु चीन-जापान तनाव का बढ़ना भारत-चीन संतुलन को और जटिल बनाता है। यदि भारत जापान और अमेरिका के साथ ज्यादा निकटता दिखाता है तो चीन सीमा पर दबाव बढ़ा सकता है। दूसरी बड़ी चिंता ताइवान जलडमरूमध्य में किसी भी सैन्य संकट से जुड़ी है। भारत के लिए यह समुद्री मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है; यहाँ किसी भी अस्थिरता से ऊर्जा आयात, व्यापार, इलेक्ट्रॉनिक चिप आपूर्ति और संपूर्ण समुद्री परिवहन पर भारी असर पड़ेगा। इससे भारत की आर्थिक गति और सुरक्षा व्यवस्था दोनों को जोखिम हो सकता है। तीसरी चुनौती अमेरिका की ÷रणनीतिक अस्पष्टता÷ है। अमेरिका ने कभी स्पष्ट नहीं कहा कि ताइवान पर हमले की स्थिति में वह सैन्य हस्तक्षेप करेगा या नहीं। यह अनिश्चितता पूरे क्षेत्र को दुविधा की स्थिति में डालती है। जापान और ताइवान तो इससे चिंतित हुं ही, भारत के लिए भी यह प्रश्न महत्वपूर्ण है, क्योंकि क्वाड की वास्तविक उपयोगिता इसी पर निर्भर करती है कि अमेरिका किस हद तक निर्णायक भूमिका निभाता है। यदि अमेरिका अनिश्चित रहता है, तो चीन को क्षेत्र में और आक्रामक कदम उठाने का प्रोत्साहन मिल सकता है, जिसका असर भारत की सुरक्षा-संतुलन पर भी पड़ेगा।

इन जटिलताओं के बीच भारत के लिए अवसर भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। जापान की नई सक्रियता रक्षा-उद्योग सहयोग, समुद्री तकनीक, पनडुब्बी क्षमता और संयुक्त सैन्य अभ्यासों को नई दिशा दे सकती है। भारत और जापान मिलकर एक स्थिर और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक की दिशा में ठोस कदम उठा सकते हैं। व्यापार-मार्गों का विविधीकरण भी भारत के लिए अनिवार्य होगा, ताकि ताइवान जलडमरूमध्य पर अत्यधिक निर्भरता कम हो सके।

अंततः ताइवान संकट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इंडो-पैसिफिक का भविष्य अब पुराने समीकरणों पर नहीं चल सकता। जापान अपनी सुरक्षा-रणनीति को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है, चीन अपनी शक्ति का विस्तार जारी रखे हुए है और अमेरिका अपनी भूमिका को आंशिक रूप से पुनर्संतुलित कर रहा है। ऐसे परिदृश्य में भारत को अत्यंत संतुलित, चतुर और बहुस्तरीय कूटनीति अपनानी होगी- ऐसी कूटनीति, जो न तो चीन से अनावश्यक टकराव पैदा करे और न ही जापान, अमेरिका तथा अन्य साझेदारों के साथ बढ़ते सहयोग को धीमा करे।

इंडो-पैसिफिक के बदलते समीकरण भारत के लिए चुनौतीपूर्ण भी हैं और अवसर भी। यह समय भारत की सामरिक परिपक्वता, आर्थिक शक्ति-विस्तार और निर्णायक विदेश-नीति का है। यदि भारत इन सभी पहलुओं को संतुलित रूप से साध लेता है तो वह न केवल क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन को प्रभावित करेगा बल्कि आने वाले वर्षों में इंडो-पैसिफिक के भविष्य का एक प्रमुख निर्धारक भी बनेगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

युवा उत्सव 2025 धूमधाम से हुई संपन्न

विधायक ने भरा युवाओं में जोश कहा- सपनों को लक्ष्य बनाओ, देश तुम्हारा इंतज़ार कर रहा है

कला, साहित्य और संस्कृति का दिखा भव्य संगम - जिले के युवाओं ने दिखाया दम, हर मंच पर चमकी प्रतिभा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में कला, संस्कृति और युवा ऊर्जा का भव्य संगम शुक्रवार 05 दिसंबर को झगराखांड़ में देखने को मिला। जिला स्तरीय युवा उत्सव 2025 का आयोजन अंबेडकर भवन एवं शासकीय हाई स्कूल झगराखांड़ में प्रातः 10 बजे से शुरू हुआ, जिसमें जिलेभर के प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं और युवा प्रतिभागियों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर अपनी कला, प्रतिभा और रचनात्मकता का मनमोहक प्रदर्शन किया। पूरा परिसर ऊर्जा, ताल, उत्साह और सांस्कृतिक उल्लास से गूंजता रहा। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को एक प्रभावशाली मंच प्रदान करना था, जहां वे अपनी छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने ला सकें और संस्कृति, साहित्य, कला व खेल के विभिन्न क्षेत्रों में पहचान बना सकें। कार्यक्रम ने युवाओं में आत्मविश्वास, संकल्प और नई प्रेरणा का संचार किया।

विधायक रेणुका सिंह ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ, युवाओं में भरा जोश और आत्मविश्वास: कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक रेणुका सिंह द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी, मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। स्वागत भाषण के उपरांत उन्होंने उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार और छत्तीसगढ़ शासन का खेल विभाग प्रतिवर्ष युवा उत्सव इसलिए आयोजित करता है ताकि आगे बढ़ने की इच्छा रखने वाले युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, ऊर्जा और राष्ट्रभावना विकसित हो। उन्होंने कहा कि जब किसी कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी और आत्मविश्वास दिखाई देता है, तब उसमें एक सशक्त राष्ट्र और उज्ज्वल भविष्य की झलक स्वतः दिखाई देती है। अपने प्रेरक संबोधन में उन्होंने कहा कि आज का युग शिक्षा, खेल, संस्कृति और तकनीक का युग है और इन्हीं आधारों पर भविष्य का भारत तैयार होगा। बच्चों को नर्सरी से लेकर उच्च शिक्षा तक पर्याप्त अवसर और प्रतियोगी माहौल प्रदान किया जाना आवश्यक है, ताकि उनमें प्रतिभा और सपनों को उड़ान मिल सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत आज तेजी से बदल रहा है और आत्मसम्मान व स्वाभिमान के साथ विकास की ओर अग्रसर है। कर्तव्य पथ का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल नाम परिवर्तन नहीं बल्कि बदलते युग और बदलती सोच का प्रतीक है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए बताया कि अवसरों की कमी कहीं नहीं है, केवल लक्ष्य, संकल्प और सतत प्रयास की जरूरत है। युवाओं से आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी ही करियर का अंतिम लक्ष्य न मानें, बल्कि स्टार्टअप, खेल, तकनीक, कला और उद्यमिता में आगे आएं और रोजगार देने वाले बनें क्योंकि यही युवा वास्तविक अर्थों में राष्ट्र निर्माण करते हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के ओजस्वी संदेश 'उठो जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए' से युवाओं को प्रेरित किया।

प्रतियोगिताओं में दिखी प्रतिभा की चमक - कला, साहित्य और संस्कृति का बेहतरीन प्रदर्शन: मुख्य अतिथि के प्रेरक संबोधन के बाद प्रतियोगिताओं की शुरुआत हुई और हर प्रतियोगिता में युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था। चित्रकला प्रतियोगिता में राजेंद्र प्रसाद ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान हासिल किया, द्वितीय स्थान अनुज और तृतीय स्थान कुमारी साधना को मिला। वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रभावी प्रस्तुति के साथ अनुभव गुप्ता प्रथम रहे और जया शर्मा द्वितीय स्थान पर रहीं। साहित्यिक प्रतिभा भी पूरी तरह निखरी। कविता लेखन प्रतियोगिता में मनोज कुमार विजेता बने, जबकि मुस्कान सिंह द्वितीय और फातिमा तृतीय स्थान पर रहीं। कहानी लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मुस्कान सिंह, द्वितीय स्थान अदिति अग्रवाल और तृतीय स्थान छाया सिंह को प्राप्त हुआ। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लोकनृत्य में राखी समूह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पंथी नृत्य में अनिल कुमार समूह की शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों की खूब प्रशंसा बटोरी और उन्हें विजेता घोषित किया गया। सुवा नृत्य में सोनकुंवर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान जीता। करमा नृत्य प्रतियोगिता में भोगलाल समूह विजेता और रमेश कुमार समूह उपविजेता घोषित हुए। वहीं राउत नाचा में आशु साहू समूह ने शानदार प्रदर्शन कर जीत दर्ज की। लोकगीत प्रतियोगिता में हरीदास समूह ने बेहतरीन प्रस्तुति देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

नि:शुल्क सहायक उपकरण शिविर आज जनपद पंचायत करैरा में

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। केन्द्रीय मंत्री, संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास, भारत सरकार के निर्देशानुसार शिवपुरी जिले में भारत सरकार की एडिप एवं वयोश्री योजनान्तर्गत दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण, जीवन सहायक उपकरण व कैलीपर्स एवं कृत्रिम अंग प्रदाय किये जाने हेतु एलिम्को जबलपुर द्वारा परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जाना है। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के निर्देशन में यह शिविर जिले की समस्त जनपद पंचायतों में 4 दिसम्बर से 12 दिसम्बर तक आयोजित किए जाएगें। समस्त शिविरों में परीक्षण स्थल संबंधित जनपद पंचायत कार्यालय होगा।

कलेक्टर श्री चौधरी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि निर्धारित तिथियों में ग्राम पंचायत अथवा वार्ड स्तर पर व्यापक प्रचार प्रसार करें तथा समस्त पात्र दिव्यांगजनों अथवा वरिष्ठजनों की परीक्षण शिविर स्थल पर शत–प्रतिशत उपस्थिति कराते हुये परीक्षण शिविरों में लाभांवित कराना सुनिश्चित करें।

उक्त शिविरों में 5 दिसम्बर को जनपद पंचायत करैरा में आयोजित होगा। इसमें सम्मिलित निकाय में न.प.करैरा रहेगा। 6 दिसम्बर को जनपद पंचायत बदरवास में आयोजित होगा। इसमें सम्मिलित निकाय में न.पं. बदरवास एवं न.पं. रन्नौद रहेंगे। 8 दिसम्बर को जनपद पंचायत पोहरी में आयोजित होगा। इसमें सम्मिलित निकाय में न.पं. पोहरी अथवा न.पं. बैराढ रहेंगे। 9 दिसम्बर को जनपद पंचायत खनियांधाना में आयोजित होगा। इसमें सम्मिलित निकाय में न.पं. खनियाधाना रहेगा। 10 दिसम्बर को जनपद पंचायत नरवर में आयोजित होगा। इसमें सम्मिलित निकाय में न.पं.नरवर एवं न.पं. मगरौनी रहेगा। 11 दिसंबर को जनपद पंचायत कोलारस में आयोजित होगा। इसमें सम्मिलित निकाय में न.पं. कोलारस रहेगा तथा 12 दिसंबर को जनपद पंचायत शिवपुरी में आयोजित होगा। इसमें सम्मिलित निकाय में नगर पालिका परिषद शिवपुरी रहेगा।

बिलासपुर जोन से चलेंगी 3 विंटर स्पेशल ट्रेन

बिलासपुर। शीतकालीन अवकाश के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की डिमांड बढ़ गई है। इसे देखते हुए रेलवे ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यानी बिलासपुर जोन से होकर तीन स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। बिलासपुर, कोलकाता, दुर्ग, रायपुर, मुंबई और दिल्ली के यात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। इससे सफर करने वाले यात्रियों को कंफर्म बर्थ मिलने की उम्मीद है। दरअसल, शीतकालीन अवकाश शुरू होने से पहले ही लोगों ने टूर पर जाने का प्लान किया है। यही वजह है कि ट्रेनों में यात्रियों को कंफर्म बर्थ नहीं मिल रहा है। स्थिति यह है कि वेटिंग 250 से 300 तक पहुंच गया है।

दूरस्थ आदिवासी ग्रामों में स्वास्थ्य सेवाओं का पर्याय बनी मोबाइल मेडीकल यूनिट, पीएम जनमन आदिवासी न्याय महा अभियान हो रहा संचालन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। प्रधानमंत्री जनमन आदिवासी न्याय महा अभियान के तहत जिले में संचालित 10 मोबाइल मेडीकल यूनिट दूरस्थ आदिवासी ग्रामों में रहने वालों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का पर्याय बन चुकी है। एमएमयू द्वारा जनवरी 2025 से जिले के 435 आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में 5342 शिविरों का आयोजन कर 1 लाख 67 हजार 703 आदिवासियों को उपचार मुहैया कराया है।

उल्लेखनीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 जनवरी 2025 को प्रधानमंत्री जनमन आदिवासी न्याय अभियान का शुभारंभ किया था। इस अभियान के तहत जिले में स्वास्थ्य संस्थाओं से 5 किमी दूरस्थ आदिवासी ग्रामों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने हेतु 10 मोबाइल मेडीकल यूनिट का संचालन किया जा रहा है। इन मोबाइल मेडीकल यूनिट के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की जांच, प्रसव उपरांत जांच, क्षय रोग परीक्षण व उपचार, कैंसर रोग परीक्षण, कुपोषण परीक्षण,एनीमिया, सिकल सैल, एनसीडी, टीकाकरण, परिवार नियोजन साधनों का वितरण सहित 14 प्रकार की पैथलांजी जांच इत्यादि स्वास्थ्य सेवाएं सहरिया–आदिवसियों को प्राप्त हो रही है। मोबाइल मेडीकल यूनिट द्वारा शिवपुरी जिले में जनवरी 2025 से 435 आदिवासी बाहुल्य ग्रामों 5342 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर 1लाख 67 हजार 703 आदिवासियों को उपचार मुहैया कराया है तथा 1 लाख 420 पैथलॉजी जांच की है।

मनेन्द्रगढ़ में आवारा कुत्ते ने 8 लोगों को किया घायल

प्रशासन की टीम वैक्सीनेशन में जुटी, 30 कुत्तों को लगाया टीका; नसबंदी भी होगी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ के नगर पालिका क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ गया है। वार्ड नंबर 8 में एक आवारा कुत्ते ने एक मासूम सहित आठ लोगों को घायल कर दिया है। इस घटना के बाद से स्थानीय निवासियों में डर का माहौल है।

वार्डवासी रात में लाठी–डंडों के साथ रात जागने को मजबूर हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, नगर पालिका प्रशासन और पशुपालन विभाग ने संयुक्त रूप से कुत्तों को नियंत्रित करने के लिए एक टीम का गठन किया है।

तीस कुत्तों का टीकाकरण हुआ: नगर पालिका के सीएमओ इसहाक खान ने बताया कि आवारा कुत्तों को नियंत्रित करने के लिए गठित संयुक्त टीम ने कार्रवाई शुरू कर दी है। अब तक लगभग तीस कुत्तों का टीकाकरण किया जा चुका है।

नसबंदी भी कराई जाएगी: प्रशासन आवारा कुत्तों को पकड़कर आमाखेरवा स्थित गौठान में नसबंदी करने की व्यवस्था कर रहा है। गौठान में ही एक ऑपरेशन थिएटर का निर्माण भी कराया जाएगा।

सीएमओ ने शहरवासियों से अपने पालतू कुत्तों का समय पर टीकाकरण कराने और उन्हें उचित स्थान पर रखने की अपील की है। कई लोगों को घायल करने वाले विशेष कुत्ते को पकड़ने के लिए एक अलग टीम बनाई गई है। अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही इस कुत्ते को पकड़ लिया जाएगा।

साइबर जागरूकता अभियान : उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1 में पुलिस और एसबीआई टीम ने छात्रों को किया जागरूक

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के तहत जिला शिवपुरी में साइबर अपराधों से बचाव हेतु व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक–1 शिवपुरी में साइबर सेल टीम ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया साइबर सतर्कता टीम के साथ संयुक्त रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल युग में सुरक्षित रहने और साइबर अपराधों से बचने के तरीकों की जानकारी देना रहा।

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व साइबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह जाट ने किया। उन्होंने छात्रों को ऑनलाइन फ्रॉड डिजिटल अरेस्ट,क्क फाइल फर्जी ट्रेडिंग वेबसाइट सोशल मीडिया अपराध तथा तेजी से बदलते डिजिटल वातावरण में सतर्क रहने के उपायों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आज साइबर अपराध देश में तेजी से बढ़ रहे हैं इसलिए युवाओं को डिजिटल सतर्कता अपनाना अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र–छात्राओं ने विभिन्न प्रश्न पूछे जिनका समाधान साइबर प्रभारी द्वारा सरल और व्यावहारिक तरीके से किया गया। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार के लालच प्रलोभन संदेश या कॉल पर विश्वास कर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करना साइबर ठगी का मुख्य कारण बनता है। कार्यक्रम में छात्रों को यह भी समझाया गया कि अनजान वेबसाइट पर लॉगिन न करें, ओटीपी किसी को न दें फर्जी लोन एप्लीकेशन और ,क्क फाइल डाउनलोड करने से बचें।

सायबर सेल टीम ने सुरक्षा के मद्देनजर सभी लोगों को स्रुड्ड ,ष्ठ।क्र ऐप का उपयोग कर अपने बायोमेट्रिक लॉक करने की सलाह भी दी। कार्यक्रम के अंत में छात्रों को साइबर अपराध की घटना होने पर तत्काल शिवपुरी साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 7049123288 या राष्ट्रीय

जर्जर पानी-टंकी पर चढ़े 2 युवक, सीढ़ी टूटने से एक गिरा

दुर्ग-भिलाइ। जिले के सेक्टर–6 की जर्जर पानी टंकी पर शनिवार शाम मस्ती करने के लिए दो युवक चढ़ गए। उतरते समय अचानक लोहे की जंग लगी सीढ़ी टूटने से एक युवक नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं दूसरा युवक टंकी के ऊपर ही फंस गया। पुलिस, डायल 112 और स्रुत्रक्र की टीम मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान चलाकर दोनों की जान बचाई। पुलिस के मुताबिक, निजी कॉलेज में क्क्क तृतीय सेमेस्टर का छात्र अक्षत कुमार प्रसाद (21) और उसका मित्र सुमित भक्त (19) उत्सुकता में सेक्टर–6 स्थित पुरानी और जर्जर हो चुकी पानी टंकी पर चढ़ गए थे।

देहरदा गणेश में सांसद खेल महोत्सव हुआ संपन्न, विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कोलारस विधानसभा क्षेत्र के ग्राम देहरदा गणेश में सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 6 से 12 तक के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। खेल प्रतियोगिताओं में क्रिकेट, खो–खो, कुश्ती, दौड़, गोला फेंक, रिले सहित कई स्पर्धाएँ आयोजित की गईं। कार्यक्रम में हाई सेकेंडरी स्कूल सजाई, हाई सेकेंडरी स्कूल अकोदा, हाई सेकेंडरी स्कूल देहरदा गणेश, माध्यमिक विद्यालय बीजरी, माध्यमिक विद्यालय टामकी व माध्यमिक विद्यालय लालपुर के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

महोत्सव का शुभारंभ सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण सिंह गुर्जर ने किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष भारतीय किसान संघ कल्याण सिंह दांगी, जनपद सदस्य किशन पाल, सरपंच देहरदा गणेश बहादुर सिंह दांगी, जन शिक्षा केन्द्र प्रभारी श्रीमती ममता श्रीवास्तव, श्रीमती कृष्णा राजपूत, मनोज कुमार शुक्ला, सीएससी संचालक सुरेंद्र सिंह दांगी,महेंद्र जाट सहित अनेक शिक्षक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। प्रतियोगिताओं के माध्यम से ग्रामीण अंचल की उभरती खेल प्रतिभाएँ सामने आईं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्यजनों एवं विद्यालय प्रभारियों ने सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा चलाए जा रहे खेल प्रोत्साहन अभियान की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

चिरमिरी पुलिस की अनोखी पहल : एनसीसी छात्रों संग बिना हेलमेट चलाने वालों को दी समझाइश हेलमेट पहनने वालों को किया सम्मान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सड़क सुरक्षा को लेकर चिरमिरी पुलिस द्वारा एक सराहनीय और प्रेरणादायक कदम उठाया गया। यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने और लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से चिरमिरी थाना प्रभारी विजय सिंह अपने पुलिस स्टाफ के साथ शहर के अलग अलग क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा अभियान चलाते नजर आए। इस अभियान की विशेष बात यह रही कि इसमें एनसीसी के स्कूली छात्र छात्राओं को भी शामिल किया गया था जिन्होंने यातायात नियमों का पालन न करने वालों को अपनी तरफ से समझाइश दी।

अभियान के दौरान एनसीसी छात्राओं ने बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों को रोककर उन्हें सुरक्षित रहने की सलाह दी। विद्यार्थियों ने ऐसे चालकों से सॉरी बुलवाकर आगे से हमेशा हेलमेट पहनकर वाहन चलाने का वचन लिया। वहीं जो वाहन चालक नियमों का पालन करते हुए हेलमेट लगाए हुए मिले उन्हें गुलाब का फूल देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान पाकर कई लोगों ने पुलिस और एनसीसी छात्रों के प्रयास की सराहना की।

चार पहिया वाहनों को रोककर सीट बेल्ट लगाने के महत्व को भी समझाया गया। थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाओं में सिर पर चोट लगने से मौत होती है जिसे हेलमेट पहनकर आसानी से रोका जा सकता है। इसलिए पुलिस लोगों खासकर युवाओं में जागरूकता फैलाने के लिए यह अनोखी पहल कर रही है।

अभियान के दौरान थाना प्रभारी विजय सिंह ने एनसीसी छात्रों को भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए और उन्हें भविष्य में समाजहित के कार्यों में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। चिरमिरी पुलिस की यह पहल शहर में सड़क सुरक्षा के प्रति एक सकारात्मक संदेश दे रही है और लोगों को नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित कर रही है।

जिले में उर्वरक वितरण हेतु ई-विकास प्रणाली

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। सभी किसान भाईयों को उर्वरक सुगमता पूर्वक प्राप्त हो सके इस हेतु कलेक्टर रवींद्र कुमार चौधरी द्वारा जिले में खाद वितरण हेतु चालू की गई श्व–ञ्जह्ल्यश्वह्र प्रणाली को सुगम बनाने हेतु म.प्र.शासन द्वारा निर्मित ई–विकास प्रणाली से जोडा गया है। अब जिले के कृषक ई–विकास प्रणाली द्वारा पंजीयन कर खाद प्राप्त कर सकेंगे। पोर्टल पर डबललॉक केंद्र, एम.पी.एग्रो, समितियों (पैक्स), निजी विक्रेताओं को जोडा गया है। किसान अपनी सुविधा अनुसार उर्वरक विक्रेता का चयन कर ई–टोकन बुक कर सकते है। निर्धारित समय के भीतर वितरण केंद्र से खाद प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रणाली के माध्यम से किसानों को आसानी से खाद प्राप्त करने का विकल्प उपलब्ध कराया जा रहा है।

पंजीयन कैसे करें: किसान सबसे पहले पोर्टल पर अपने आधार और मोबाइल नंबर से लॉगिन करता है। पंजीकरण किसानों का अपना आधार नम्बर एग्री स्टेक पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा। फार्मर आईडी पर रकबा एवं फसल की जानकारी अपडेट होना आवश्यक है। इसके बाद कृषक की जमीन, फसल और गाँव से जुड़ी मूल जानकारी पोर्टल पर प्रदर्शित होगी जिसे कृषक ओटीपी द्वारा वेरिफाई कर आगे बढेगा एवं आवश्यकतानुसार खाद हेतु टोकन जनरेट कर सकता है। किसान अपनी सुविधानुसार पंजीयन हेतु एम.पी. ऑन लाईन एवं सी.एस.सी सेंटर पर जाकर भी अपना पंजीयन करवा सकते हैं।

तलाकशुदा युवती ने की पुल से कूदने की कोशिशबड़वानी में नर्मदा दर्शनार्थियों ने बचाया

बड़वानी, एजेंसी। बड़वानी जिला मुख्यालय के पास छोटी कसरावद नर्मदा पुल एक तलाकशुदा युवती ने आत्महत्या की कोशिश की। पुल पर मौजूद नर्मदा दर्शनार्थियों और पुलिसकर्मियों ने उसे बचा लिया। युवती को वन स्टॉप सखी सेंटर ले जाया गया है, जहां उससे बातचीत की जा रही है। घटना शुक्रवार दोपहर की है।

नर्मदा दर्शन करने पहुंचे लोगों ने रोका : प्रत्यक्षदर्शी इंदर सिंह ने बताया कि 26 साल की युवती चेहरे पर कपड़ा बांधकर पुल पर पहुंची। वह कुछ देर रेलिंग पर खड़ी रही और रोने लगी। इसके बाद वह पुल के दूसरी ओर गई और रेलिंग के नीचे बैठ गई। कुछ देर बाद वह फिर खड़ी हुई, अपनी चप्पलें उतारीं और पुल पर खड़े होकर कूदने की कोशिश करने लगी। इसी दौरान नर्मदा दर्शन करने पहुंचे लोगों ने उसे पकड़ लिया और मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। महिला पुलिसकर्मी युवती को पुल से वन स्टॉप सखी सेंटर ले गई। सेंटर में युवती से उसके इस कदम के पीछे के कारणों को जानने के लिए चर्चा की जा रही है। **युवक पर शादी का झांसा देकर संबंध बनाने का आरोप :** पीड़ित युवती ने बताया कि उसने यह कदम एक व्यक्ति की ओर से शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने और बाद में मारपीट करने के कारण उठाया। युवती के अनुसार, आरोपी की गिरफ्तारी न होने से वह परेशान थी। युवती ने बताया कि आरोपी सादिक मंसूरी, पिता सलीम मंसूरी, निवासी राजपुर रोड अंजड़ ने उससे शादी का झांसा देकर बार-बार शारीरिक संबंध बनाए। 21 नवंबर 2025 (संभवतः 2023 या 2024) को आरोपी उसे कार में बिठाकर शादी की बात करने के लिए ठीकरी की ओर ले गया। वहां शादी करने को कहने पर आरोपी मुकर गया और उसके साथ हाथ-पैर से मारपीट की। जान से मारने की धमकी भी दी।

11 दिन बाद भी युवक पर नहीं हुई कार्रवाई: अंजड़ पुलिस ने युवती की रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध भारतीय नागरिक संहिता की धारा 69, 115 (2), 351 (3) के तहत मामला दर्ज किया है। युवती ने आरोप लगाया कि घटना को 11 दिन बीत चुके हैं, लेकिन आरोपी खुलेआम अंजड़ में घूम रहा है। उसे खरगोन के संजय नगर स्थित बिलाल मस्जिद के सामने उसकी बहन के घर भी देखा गया है, फिर भी पुलिस ने उसे गिरफ्तार नहीं किया है। युवती ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई बार थाने के प्रभारी से बात की और एसपी कार्यालय में आवेदन भी दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे आरोपी के हौसले बुलंद हैं।

आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग: युवती ने कहा कि आज शुक्रवार को मैं परेशान होकर आत्महत्या करने के लिए कसरावद पूल पर पहुंची थी। जहां से मुझे कुछ लोगों ने आत्महत्या करने से रोका और पुलिस मुझे वन स्टॉप सखी केंद्र लेकर आई है। मैं चाहती हूं कि मुझे न्याय मिले आरोपी की गिरफ्तारी हो। उसके परिजन मुझपर लगातार समझौते के लिए दबाव बना रहे हैं। युवती की मांग है कि आरोपी को शीघ्रातिशीघ्र गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए। वहीं इस संबंध में अंजड़ थाना प्रभारी आर आर चौहान से बात की तो उन्होंने मामले की जांच की बात कही।

ग्वालियर में तेज रफ्तार कार ने ऑटो को मारी टक्कर गर्भवती महिला सहित चार घायल

ग्वालियर, एजेंसी। ग्वालियर के कंपू थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह सड़क हादसा हो गया। रॉक्सी पुल के पास जैन पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार कार ने एक ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें ऑटो सवार गर्भवती महिला के पति का पैर फ्रैक्चर हो गया। हादसा सुबह करीब 6-30 बजे हुआ। ऑटो में गर्भवती महिला के साथ उसका पति, दो अन्य परिजन और चालक सवार थे। हादसे में पति को गंभीर चोट लगने के कारण पैर फ्रैक्चर हो गया, जबकि गर्भवती महिला और अन्य तीनों लोगों को मामूली चोटें आईं। राहत की बात यह रही कि गर्भवती महिला सुरक्षित है।

शादी से लौट रहे थे कार सवार : राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, पुलिस टीम मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस के जरिए घायलों को अस्पताल भिजवाया। पुलिस का कहना है कि कार चालक की लापरवाही के चलते यह दुर्घटना हुई। कार क80-र्त-7299 में सवार लोग एक शादी समारोह से लौट रहे थे।

इटारसी में बस स्टैंड से स्टेशन तक अव्यवस्था से जाम: संचालकों पर मनमानी का आरोप

निर्धारित स्थान की जगह सड़क पर खड़े कर रहे वाहन

इटारसी, एजेंसी। इटारसी के प्रमुख बस स्टैंड क्षेत्र में बस संचालकों की मनमानी के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित है। निर्धारित स्थान खाली होने के बावजूद, कई बस चालक अपनी बसों को सड़क पर ही खड़ा कर देते हैं और वहीं से यात्रियों को चढ़ाते-उतारते हैं। इस अव्यवस्था के कारण राहगीरों, दोपहिया चालकों और अन्य वाहनों को भारी जाम का सामना करना पड़ रहा है।

बस स्टैंड से लेकर रेलवे स्टेशन तक लगा जाम : यह समस्या हर दिन सुबह से दोपहर और शाम तक बनी रहती है, जिससे बस स्टैंड से लेकर रेलवे स्टेशन तक का पूरा मार्ग जाम की चपेट में आ जाता है। कई बार वाहन चालकों को मात्र 200 मीटर की दूरी तय करने में 10 से 15 मिनट लग जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह अव्यवस्था कोई नई नहीं है, लेकिन पिछले कुछ समय से बस ड्राइवरों की मनमानी में और बढ़ोतरी हुई है, जिससे बसें अक्सर सड़क के बीचोंबीच रोक दी जाती हैं और वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं।

नियमित पुलिस बल की तैनाती न होने पर हो रही है परेशानी : नागरिकों ने यातायात विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि बस स्टैंड पर नियमित पुलिस बल की तैनाती न होने के कारण बस चालक मनमाने ढंग से व्यवहार कर रहे हैं। इस संबंध में, यातायात प्रभारी विनय अड़लक ने बताया कि वे फिलहाल छुट्टी पर हैं, लेकिन उन्हें बस स्टैंड रोड पर हो रही समस्याओं की जानकारी मिल चुकी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे अन्य यातायात पुलिसकर्मियों को मौके पर भेजकर व्यवस्था सुधारने के निर्देश देंगे।

बस संचालकों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग : उल्लेखनीय है कि इटारसी एक महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन है और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बस परिवहन का मुख्य केंद्र भी है। ऐसे में बस स्टैंड क्षेत्र में यातायात अव्यवस्था का सीधा असर पूरे शहर पर पड़ता है। नागरिकों ने बस संचालकों पर सख्त कार्रवाई करने, बसों को निर्धारित स्थान पर ही रोकने और बस स्टैंड क्षेत्र में नियमित पुलिस निगरानी रखने की मांग की है, ताकि यातायात सुचारू रूप से संचालित हो सके।

सीहोर में खेत पर दिखा तेंदुआ

ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी, फिर भी टीम नहीं पहुंची

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले की श्यामपुर तहसील के ग्राम भेरूपुरा में शुक्रवार सुबह एक खेत पर तेंदुआ देखा गया। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को इसकी सूचना दी, लेकिन कई घंटे बीत जाने के बाद भी विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची है। इससे ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह किसान अपने खेतों पर काम कर रहे थे, तभी उन्होंने तेंदुए को घूमते हुए देखा। इस क्षेत्र में पहली बार तेंदुआ देखे जाने की बात कही जा रही है। किसानों ने अपने मोबाइल से तेंदुए का वीडियो भी बनाया। इस क्षेत्र में जंगली जानवरों की आवाजाही लगातार जारी है। भेरूपुरा से पहले कोलूखेड़ी गांव और फिर जैतला गांव में भी तेंदुआ देखा गया था। जैतला गांव में गुरुवार शाम करीब 6 बजे स्कूल के पास तेंदुआ नजर आने से ग्रामीणों में

दहशत फैल गई थी। डिप्टी रेंजर एचपी डागर ने बताया कि सूचना मिलने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

नीमच में लहसुन चोर गिरफ्तार :1.60 लाख का माल जब्त, टेम्पो भी बरामद

नीमच, एजेंसी। नीमच सिटी पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन के तहत लहसुन चोरी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से चोरी गई लहसुन और टेम्पो समेत कुल 1.60 लाख रुपये का माल जब्त किया है। घटना मेलकी मेवाड़ निवासी फरियादी पदमसिंह सोंधिया के घर पर हुई थी। अज्ञात बदमाशों ने उनके घर से दो बोरी लहसुन चुरा ली थी। लहसुन ले जाने के लिए बदमाशों ने एक टेम्पो का उपयोग किया था।

शिकायत पर नीमच सिटी पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। एसपी अंकित जायसवाल के निर्देश पर सिटी थाना प्रभारी पुष्पा चौहान ने एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया।

पुलिस टीम ने मुखबिरों की सूचना, घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। इन प्रयासों के आधार पर, पुलिस ने मुख्य आरोपी हंसराज पिता मोहनलाल कछावा, निवासी इंदिरा नगर विस्तार, नीमच को शुक्रवार दोपहर गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी हंसराज ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की गई दो बोरी लहसुन बरामद की, जिसकी बाजार कीमत लगभग 10,000 रुपये है। इसके अतिरिक्त, अपराध में प्रयुक्त टेम्पो (एमपी 44 जीए 0710) भी जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 1,50,000 रुपये है। थाना प्रभारी पुष्पासिंह चौहान ने बताया कि आरोपी हंसराज को कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर लिया गया है। पुलिस उससे गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में पूछताछ कर रही है।

फोरलेन पर चक्काजाम करने पर एफआईआर: मालवीय समाज के 7 नामजद

कई अज्ञात पर केस, अतिक्रमण हटाने पर किया था प्रदर्शन

रतलाम,एजेंसी। रतलाम के धौंसवास में मालवीय समाज के लोगों को फोरलेन जाम करना भारी पड़ गया है। पुलिस ने चक्काजाम करने वाले लोगों में 7 नामजद समेत अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस वीडियो के आधार पर प्रदर्शन करने वालों और लोगों को को चिन्हित कर रही है। गुरुवार सुबह जिला और पुलिस प्रशासन ने गांव धौंसवास में पहुंचा था। मालवीय समाज द्वारा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बनाई जा रही धर्मशाला के निर्माण को तोड़ा था। इससे नाराज मालवीय समाज के लोग बड़ी संख्या में मंदसौर-इंदौर फोरलेन पर जाम लगा दिया था।

सरकारी काम में बाधा डालने पर कार्रवाई : समाजजन करीब डेढ़ से दो घंटे तक बीच पर सड़क पर बैठे रहे। इस कारण फोरलेन के दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइन लग गई थी। काफी समझाइश के बाद आक्रोशित माने थे। नामली थाना पुलिस ने चक्काजाम करने वालों में 7 पुरुष और 2 महिलाओं के खिलाफ नामजद समेत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अतिक्रमण हटाने पर शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न कर गाली गलौच करने का केस दर्ज किया है। पुलिस इसके अलावा चक्काजाम करने वाले लोगों को वीडियो से चिन्हित कर आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है।

इनके खिलाफ दर्ज हुआ केस: धौंसवास हल्का पटवारी भरत पिता अशोक कुमार राठौड़ की शिकायत पर नामली थाना पुलिस ने राहुल पिता जगदीश मालवीय, रमेश पिता नारायण मालवीय, विजय पिता कचरू मालवीय, हीरालाल पिता नारायण मालवीय, समरथ पिता रामचंद्र मालवीय, कचरूलाल मालवीय, खुशी उर्फ बुलबुल पति सत्यनारायण सोनार्थी, गुड्डी बाई पति जडावचंद सभी निवासी ग्राम धौंसवास और तेजपाल सोलंकी निवासी ग्राम अमलेटा समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है।

बस स्टैंड पर ऑटो चालक ने राहगीर को पीटा

सड़क पर झगड़े, जाम से यात्री परेशान; मनमानी पर कार्रवाई की मांग

सिंगरौली, एजेंसी। सिंगरौली के बैढ़न स्थित अंतरराज्यीय बस स्टैंड पर ऑटो चालकों की मनमानी का सिलसिला जारी है। शुक्रवार को एक ऑटो चालक और राहगीर के बीच सड़क पर ऑटो खड़ा करने को लेकर विवाद हो गया। यह विवाद इतना बढ़ा कि दोनों ने एक-दूसरे से मारपीट की। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, बस स्टैंड और मंडी की ओर जाने वाले मार्ग पर ऑटो चालक अक्सर नियमों का उल्लंघन करते हुए वाहन खड़े कर देते हैं। इससे दिनभर यातायात बाधित रहता है और जाम की स्थिति बनी रहती है। यात्रियों को बस पकड़ने में परेशानी होती है, वहीं आसपास के दुकानदारों का व्यवसाय भी प्रभावित होता है। पहले भी कई बार इन चालकों को समझाने के प्रयास किए गए हैं,

लेकिन वे असफल रहे हैं। यात्रियों ने बताया कि इस क्षेत्र में आए दिन विवाद होते रहते हैं। इनमें कभी ऑटो चालकों के बीच आपसी झगड़े होते हैं, तो कभी राहगीरों से मारपीट की घटनाएं सामने आती हैं। यात्रियों ने पुलिस और प्रशासन से इस समस्या पर सख्त कदम उठाने की मांग की है।

शुक्रवार की घटना के बाद किसी भी पक्ष ने पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई है। हालांकि, इस तरह की घटनाएं क्षेत्र में कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि बस स्टैंड क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुधारा जाए और मनमाने ढंग से ऑटो खड़ा करने वाले चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि यातायात सुचारु रूप से चल सके और यात्रियों को असुविधा न हो।

करीब 10 लाख के गांजे के 2 क्विंटल पौधे जब्त

खरगोन में कपास के बीच लगाए थे तीन अलग-अलग किसानों पर केस

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले में इंदौर सीमा से सटे काकड़दा क्षेत्र के भवनतलाई और हिंडोला गवाड़ी गांवों में पुलिस ने अवैध गांजे की खेती पकड़ी है। तीन किसानों के खेतों से कुल 278 गांजे के पौधे जब्त किए गए हैं, जिनका वजन 197.820 किलोग्राम है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 9 लाख 88 हजार 500 रुपए बताई जा रही है। पुलिस की कार्रवाई से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गए। महेश्वर थाना में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत तीन अलग-अलग मामले दर्ज

किए गए हैं। फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

कपास की फसल के बीच लगाए थे गांजे के पौधे : एसपी रवींद्र वर्मा ने बताया कि पुलिस को काकड़दा क्षेत्र के भवनतलाई निवासी कैलाश पिता रामा डावर, दिनेश पिता रामा डावर और हिंडोला गवाड़ी निवासी सुरेश पिता हरेसिंह निनामा के खेतों में कपास की फसल के बीच गांजे के पौधे लगाए जाने की सूचना मिली थी।

कहां से कितने गांजे के पौधे मिले : भवनतलाई में कैलाश पिता रामा डावर के खेत से 36 गांजे के पौधे जब्त किए गए, जिनका वजन लगभग 33.410 किलोग्राम और कीमत 1 लाख 67 हजार रुपए है। इसी तरह, दिनेश पिता रामा डावर के खेत से 142 गांजे के पौधे बरामद हुए, जिनका वजन 49.110 किलोग्राम और अनुमानित कीमत 2 लाख 45 हजार रुपए है।

मैहर में दो भाइयों ने टेंट हाउस कर्मचारी को पीटा

मैहर, एजेंसी। मैहर में शराब के लिए पैसे न देने पर टेंट हाउस के एक कर्मचारी के साथ मारपीट हुई। दरअसल, दो भाइयों ने मिलकर कर्मचारी को पीटा। पुलिस ने शिकायत के बाद शुक्रवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फरियादी छविलाल दाहिया (36 साल), निवासी ग्राम मऊ सिद्धबाबा ने पुलिस को बताया कि वह शुभारंभ गार्डन में टेंट का काम करता है। 4 दिसंबर 2025 की रात करीब 10-20 बजे, वह शुभारंभ गार्डन से गद्दे लेकर गगन पांडे के घर देने गया था।

आरोपियों ने कर्मचारी से मांगे 500 रुपए : इसी दौरान सिंधी कॉलोनी निवासी विजय सावलानी उर्फ गोरा वहां पहुंचा और छविलाल से गाली-गलौज करने लगा। उसने शराब पीने के लिए 500 रुपए की मांग की। जब छविलाल ने पैसे न होने की बात कही, तो विजय ने उस पर डंडे से हमला कर दिया। इस हमले में छविलाल के सिर के बांई ओर गंभीर चोट आई और खून बहने लगा।

कटनी में वाहन की टक्कर से युवक की मौत: तीन युवक गंभीर घायल, पथवारी अंडरब्रिज के पास हादसा

कटनी, एजेंसी। कटनी के बड़वारा थाना क्षेत्र में पथवारी रेलवे अंडरब्रिज के पास गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे में 18 वर्षीय शुभम चौधरी की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायलों को जबलपुर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा गुरुवार को उस समय हुआ जब चारों युवक एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर भजिया ग्राम से अमरपुर धनवाही की ओर जा रहे थे। पथवारी रेलवे अंडरब्रिज से गुजरते समय एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई और उस पर सवार सभी युवक सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद चारों घायल युवक सड़क पर पड़े थे। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना 108 एंबुलेंस को दी। एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़वारा पहुंचाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़वारा में डॉक्टरों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। हालांकि, चोटें गंभीर होने के कारण उन्हें कटनी के जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। शुक्रवार दोपहर धनवाही ग्राम निवासी 18 वर्षीय शुभम चौधरी पुत्र रामदास की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

लवकुश चौधरी और पुष्पेंद्र चौधरी (दोनों धनवाही ग्राम निवासी) को जबलपुर मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया है। अस्पताल चौकी पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

ग्वालियर में किसान के खाते से निकले 10 लाख रुपए-

ग्वालियर, एजेंसी। ठगी की शिकायत करने एसपी ऑफिस से परिसर में खड़े पीड़ित किसान राजेंद्र पाल और उसका बेटा ग्वालियर में एक किसान के बैंक खाते से साइबर ठगों ने 10 लाख रुपए निकाल लिए। यह राशि किसान ने अपनी बेटी की शादी के लिए जमा की थी। हैरानी की बात यह है कि ठगी के दौरान किसान को न तो कोई कॉल आया, न मैसेज आया और न ही उनका मोबाइल फोन बंद हुआ। यह घटना 4 दिसंबर की बताई जा रही है। ठगी का खुलासा तब हुआ जब किसान के बेटे के मोबाइल पर बैंक खाते से पैसे निकाले जाने का मैसेज आया। मैसेज देखने के बाद जब किसान के बेटे ने पिता का बैंक अकाउंट चेक किया तो उसमें कोई राशि नहीं बची थी। इसके बाद उन्होंने तुरंत बैंक पहुंचकर जानकारी ली, जहां उन्हें पता चला कि वे साइबर धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं। ठगों ने किसान के खाते से तीन बार में 10 लाख रुपए की रकम अन्य खातों में ट्रांसफर की। साइबर अपराधियों ने पहली बार में 5 लाख, दूसरी बार में 3 लाख और तीसरी बार में 2 लाख रुपए निकाले। किसान और उनके बेटे ने शुक्रवार शाम को क्राइम ब्रांच साइबर सेल पुलिस को लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई।

इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर आयशर चालक-क्लीनर से लूट वाहन खराब होने पर रूके

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर में इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर बुधवार देर रात चार अज्ञात युवकों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। कटी घाटी के पास खराब हुए एक आयशर वाहन के चालक और क्लीनर से बदमाशों ने 2900 रुपए नकद और दो मोबाइल फोन छीन लिए। निंबोला थाना पुलिस ने इस मामले में गुरुवार को अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना बुधवार रात करीब 10 बजे की है। बुरहानपुर से रूई भरकर इंदौर जा रहा आयशर वाहन (एमपी 68 एच 0199) इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर कटी घाटी के पास खराब हो गया था। इसी दौरान 18 से 20 साल की उम्र के चार युवक वहां पहुंचे। युवकों ने वाहन चालक श्रीराम पिता नरोत्तम महाजन (निवासी बहादरपुर) और क्लीनर दिनेश पिता गोरेलाल (निवासी इंदिरा कॉलोनी) के साथ मारपीट की। इसके बाद वे उनसे 2900 रुपये नकद और दो मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। लूट की सूचना मिलने पर निंबोला थाना टीआई राहुल कांबले अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। क्लीनर दिनेश पिता गोरेलाल ठाकुर की शिकायत पर पुलिस ने चार अज्ञात युवकों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज किया है। निंबोला थाना प्रधान आरक्षक दीपेंद्र सिंह कलम ने बताया कि अज्ञात आरोपियों की तलाश जारी है।

क्या रद्द हो गई है पलाश संग शादी ? 11 दिन बाद स्मृति मंधाना का पहला पोस्ट आया सामने

हाथों में नहीं दिखीं इंगेजमेंट रिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। म्यूजिक कंपोज़र पलाश मुच्छल और भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना की शादी 23 नवंबर को तय थी, लेकिन शादी से पहले स्मृति के पिता की तबीयत अचानक खराब हो गई, जिसके बाद शादी को आगे बढ़ाना पड़ा। इस बीच सोशल मीडिया पर कई तरह की अफवाहें फैल गई थई कि शादी टलने की वजह रिश्ते में कुछ दिक्कतें थीं। इन सारी अटकलों के बीच अब स्मृति ने 11 दिन बाद सोशल मीडिया पर पहला पोस्ट शेयर किया है।

इंस्टाग्राम पर शेयर किया विज्ञापन वीडियो

स्मृति ने इंस्टाग्राम पर एक टूथपेस्ट ब्रांड का विज्ञापन पोस्ट किया। वीडियो में वे अपने अनुभव के बारे में बात करती दिखाई देती हैं। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा - %जीत के पल, ईमानदार बातचीत और वे अनुष्ठान जो खेल का पूरा समीकरण बदल देते हैं। वीडियो सामने आने के बाद कई फैंस ने उनकी आवाज में बदलाव महसूस किया और चिंता जताते हुए कमेंट करने लगे।

फैंस बोले - आवाज भारी लग रही है

स्मृति की आवाज सुनकर प्रशंसकों ने अंदेशा जताया कि वे शायद भावनात्मक दौर से गुज़र रही हैं। एक यूजर ने लिखा, आवाज को क्या हो गया? आप ठीक तो हैं? एक और कमेंट था, लगता है बहुत रोई हैं, आवाज बदल गई है। एक फैन ने कहा, आपकी आवाज बहुत कुछ कह रही है, उम्मीद है आप ठीक होंगी। इन प्रतिक्रियाओं से साफ है कि पोस्ट देखने के बाद उनके समर्थक उनकी मानसिक स्थिति को लेकर चिंतित हैं।

इंगेजमेंट रिंग को लेकर भी उठे सवाल

कुछ यूजर्स ने यह भी नोटिस किया कि स्मृति के हाथ में इंगेजमेंट रिंग नजर नहीं आई। एक फैन ने लिखा वो मुस्कुरा तो रही हैं, लेकिन आंखों में उदासी दिख रही है। और उन्होंने अपनी इंगेजमेंट रिंग क्यों नहीं पहनी?

फैंस दे रहे हिम्मत बनाए रखने की सलाह

कई लोग स्मृति को मजबूत रहने, खुद का ख्याल रखने और नकारात्मक खबरों से दूर रहने की सलाह दे रहे हैं। शादी टलने और सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों के बीच उनका यह पहला पोस्ट काफी चर्चा में है।

233 गेंद पर 58 रन, गेंदबाज केमार रोच ने अपनी बल्लेबाजी से टाली वेस्टइंडीज की हार

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट में शनिवार पांचवां दिन था। टेस्ट बचाने के लिए संघर्ष कर रही वेस्टइंडीज को शाई होप और विकेटकीपर टेविन इमलेच के रूप में पहले सेशन में ही दो झटके लगे। इन दो विकेटों के बाद वेस्टइंडीज की हार तय लग रही थी, लेकिन आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे केमार रोच के इरादे बिल्कुल अलग थे। गेंदबाजी के लिए मशहूर रोच ने अपनी यादगार बल्लेबाजी से वेस्टइंडीज के लिए मैच ड्रा कराने में बड़ी भूमिका निभाई। केमार रोच जब बल्लेबाजी के लिए उतरे, उस समय वेस्टइंडीज 277 रन पर 6 विकेट गंवा चुका था। पूरे दिन का खेल बचा हुआ था। वेस्टइंडीज के लिए हार से बचना मुश्किल था, लेकिन केमार रोच ने जस्टिन ग्रिव्स के साथ मिलकर असंभव को संभव बनाया। दोनों ने दिन के बाकी बचे ओवरों में एक भी विकेट नहीं गिरने दिया और मैच ड्रॉ करा दिया। रोच और ग्रिव्स ने 67.5 ओवर तक बल्लेबाजी की और 180 रन जोड़े। पिछले 85 टेस्ट में 1 भी अर्धशतक लगाने में असफल रहे रोच ने अपने 86वें टेस्ट की दूसरी पारी में अपने करियर का पहला अर्धशतक लगाया।

आईटीएफ मेंस वर्ल्ड टेनिस टूर - एम15 ग्वालियर के सेमीफाइनल में पहुंचे दिग्विजय प्रताप सिंह

ग्वालियर, एजेंसी। दिग्विजय प्रताप सिंह ने कजाकिस्तान के चौथे सीड ग्रिगोरी लोमाकिन को सीधे सेटों में शिकस्त देकर आईटीएफ मेंस वर्ल्ड टेनिस टूर एम15 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। ग्वालियर चंबल टेनिस एसोसिएशन कोर्ट में राउंडग्लास टेनिस एकेडमी के एथलीट दिग्विजय सिंह ने ग्रिगोरी को 7-6, 6-2 से मात दी। अब दिग्विजय सिंह का अगला मुकाबला टॉप सीड आर्यन शाह से होगा, जिन्होंने अभिनव संजीव शनमुगम को 6-3, 6-4 से मात देकर सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की है। राउंडग्लास के एक अन्य एथलीट, नितिन कुमार सिन्हा को क्वार्टर फाइनल में मान केशरवानी के हाथों 4-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। केशरवानी अपने अगले मुकाबले में रोहन मेहरा का सामना करेंगे, जिन्होंने राघव जयसिंघानी को तीन सेटों में 6-7, 6-1, 6-0 से शिकस्त देकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया है।

डबल्स कैटेगरी में, भारत के इशाक इकबाल और कजाकिस्तान के ग्रिगोरी लोमाकिन की टॉप सीडेड जोड़ी ने चौथी सीडेड आर्यन लक्ष्मणन और मनीष सुरेशकुमार को 6-4, 6-4 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बना ली है। अब उनका सामना आर्यन शाह और अथर्व शर्मा की दूसरी सीडेड जोड़ी से होगा, जिन्होंने आदित्य बालसेकर और मान केशरवानी को 6-3, 6-4 से हराया है।

जर्मनी के खिलाफ गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं होगी - जूनियर हॉकी कोच श्रीजेश

चेन्नई, एजेंसी। खिताब से दो जीत दूर भारतीय टीम को जर्मनी के खिलाफ जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच पी आर श्रीजेश से एक ही सलाह मिली है कि अभी काम पूरा नहीं हुआ है और अपने पैर जमीन पर रखने हैं। भारत ने आखिरी मिनट में गोल गंवाने के बाद शूटआउट तक खिंचे क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 4-3 से हराया लेकिन दो बार के ओलंपिक पदक विजेता रहे कोच श्रीजेश का कहना है कि सात बार की चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ इस तरह की गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी।

उन्होंने कहा, 'बेल्जियम के खिलाफ पहले 45 मिनट एक गोल से पीछे रहना और फर आखिरी एक मिनट में उन्हें बराबरी का गोल करने का मौका देना, यह मुझे अच्छा नहीं लग रहा था। आखिरी मिनट में गोल गंवाना, शूटआउट इससे बचना चाहिए। भारत के महान गोलकीपर रहे श्रीजेश ने कहा, 'अच्छे मूव को फाइनल टच देना जरूरी है। हम लगातार आक्रमण कर रहे थे और मौके बना रहे थे। सर्कल के भीतर गेंद का नियंत्रण नहीं खोना चाहिए। कठिन टीमों के खिलाफ गोल करने के मौके ज्यादा नहीं मिलते हैं और जो भी मौके मिले, उन्हें भुनाना होगा। यह पूछने पर कि लीग चरण में आसान चुनौतियों से क्या क्वार्टर फाइनल में दबाव अधिक रहा, श्रीजेश ने कहा, 'लीग दौर के मैच सभी के लिए लगभग बराबर होते हैं। कुछ टीमों को एक कठिन मैच मिल जाता है लेकिन हमने अपनी टीम का स्तर ऊंचा रखने की कोशिश की और उन्हें चुनौतियां दी कि इतने गोल से जीतना है। लेकिन नॉकआउट चरण में दबाव अलग होता है।

वेटलिफ्टिंग : सैनिकों के बीच ताकत परखने वाला खेल, जिसने ओलंपिक में बनाई खास पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। वेटलिफ्टिंग ताकत, सहनशक्ति और संतुलन का खेल है, जिसमें स्नैच के अलावा, क्लीन एंड जर्क दो मुख्य तकनीकों के रूप में शामिल हैं। इस खेल के लिए आत्मविश्वास और मानसिक दृढ़ता के साथ शरीर की मांसपेशियों को विकसित करना जरूरी है। ओलंपिक में वेटलिफ्टिंग बेहद लोकप्रिय खेल है। एक दौर था, जब मनुष्य किसी कार्य को अंजाम देने के लिए भार को उठाकर यहां से वहां जाता था, लेकिन बाद में इसे शख्स के बलवान होने से जोड़कर देखा जाने लगा। धीरे-धीरे लोग एक-दूसरे से अधिक वजन उठाकर खुद को ज्यादा बलशाली साबित करने की होड़ में लग गए। यहीं से इस खेल का इजाद भी हुआ। ग्रीस, चीन, मिस्र और मेसोपोटामिया में योद्धा और सैनिक अपनी ताकत परखने के लिए भारी पत्थर या वस्तुएं उठाते थे, जिसने इस खेल की नींव रखी। धीरे-धीरे अन्य देशों में पहलवान शौक के साथ वेटलिफ्टिंग के खेल में हिस्सा लेने लगे। आलम ये रहा कि 19वीं शताब्दी के अंत तक वेटलिफ्टिंग एक अंतरराष्ट्रीय खेल के रूप में अपनी पहचान बना चुका था।

1896 एथेंस ओलंपिक में इस खेल को शामिल किया गया। हालांकि, यह 1900, 1908 और 1912 के संस्करणों का हिस्सा नहीं रहा। इन तीन संस्करणों को छोड़कर, वेटलिफ्टिंग का खेल प्रत्येक ओलंपिक का हिस्सा रहा है। साल 1935 में भारतीय भारोत्तोलन महासंघ की स्थापना हुई, जिसके बाद भारत ने 1936 बर्लिन ओलंपिक में पहली बार इस इवेंट में हिस्सा लिया।

2000 सिडनी ओलंपिक में इस खेल में महिलाओं ने भी हिस्सा लेना शुरू किया। इसी ओलंपिक में कर्णम मल्लेश्वरी ने महिलाओं के 54 किलोग्राम भारवर्ग में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इसके बाद मीराबाई चानू ने 2020 टोक्यो ओलंपिक में 49 किलोग्राम भार वर्ग में देश को सिल्वर मेडल दिलाया। वेटलिफ्टिंग के खेल में वेटलिफ्टर्स अलग-अलग बॉडीवेट कैटेगरी में प्रतिस्पर्धा करते हैं। ओलंपिक में इसके दो चरण होते हैं- स्नैच और क्लीन एंड जर्क। वेटलिफ्टर को दोनों कैटेगरी में तीन-तीन मौके दिए जाते हैं, जिसमें उसके सर्वश्रेष्ठ प्रयास को ही जोड़ा जाता है। दोनों कैटेगरी के वजन को जोड़कर विजेता घोषित किया जाता है।

जस्टिन ग्रिव्स और केमार रोच ने न्यूजीलैंड से छिनी जीत, वेस्टइंडीज ने टेस्ट ड्रा कराया

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम अपने प्रदर्शन से हर बार चौंकाती है और अक्सर याद दिलाती रहती है कि उसका इतिहास कितना गौरवशाली रहा है। क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट को ड्रा कराकर वेस्टइंडीज ने अपने उसी ऐतिहासिक और गौरवशाली इतिहास का फिर से उदाहरण दिया है। जस्टिन ग्रिव्स और केमार रोच ने टेस्ट को ड्रा कराने के लिए जिस संयम और धैर्य के साथ ऐतिहासिक बल्लेबाजी की है, उसे लंबे समय तक याद किया जाएगा और टेस्ट को बचाने के लिए दोनों की साझेदारी को उदाहरण के तौर पर पेश किया जाएगा। ग्रिव्स 202 और रोच 58 बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच 67.5 ओवर में 180 रन की नाबाद साझेदारी हुई। ये ड्रा वेस्टइंडीज के लिए जीत है और जिन परिस्थितियों में आई है वो जीत से भी बड़ी है। पांचवें दिन की शुरुआत में शाई होप का विकेट गिरा। इस विकेट के बाद न्यूजीलैंड के लिए जीत आसान लग रही थी। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए केमार रोच ने विकेट पर पहले से मौजूद जस्टिन ग्रिव्स का साथ दिया। दोनों ने ऐतिहासिक और यादगार बल्लेबाजी की और न्यूजीलैंड से जीत छीनकर मैच को ड्रा करा दिया।

जस्टिन ग्रिव्स 388 गेंद पर 202 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं केमार रोच 233 गेंद पर 58 रन बनाकर नाबाद रहे। ग्रिव्स का यह दूसरा शतक और पहला दोहरा शतक है। वहीं 37 साल के रोच का यह पहला अर्धशतक था। उनका यह पहला अर्धशतक वेस्टइंडीज क्रिकेट फैंस कभी नहीं भूलेंगे। वेस्टइंडीज ने 6 विकेट पर 457 रन बनाए और मैच ड्रॉ रहा।

इसके पहले, 531 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने अपने 4 शीर्ष बल्लेबाजों को 72 के स्कोर पर खो दिया। इस समय वेस्टइंडीज पर बड़ी हार का खतरा मंडरा रहा था। यहीं से शाई होप और ग्रिव्स ने मोर्चा संभाला और पांचवें विकेट के लिए 196 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी करते हुए टीम को मैच में वापस ले आए। दोनों ने 63.4 ओवर तक बल्लेबाजी की। पांचवें दिन के पहले सेशन में होप पांचवें विकेट के रूप में 268 पर आउट हुए। होप का भी इस टेस्ट को ड्रा कराने में अहम योगदान रहा। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 234 गेंदों में 15 चौकों और 2 छक्कों से सजी 140 रन की पारी खेली।

मैच पर नजर डालें तो, वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 231 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज पहली पारी में 167 पर सिमटकर पहली पारी में 64 रन से पिछड़ी थी। न्यूजीलैंड ने अपनी दूसरी पारी 8 विकेट पर 466 रन बनाकर घोषित की और पहली पारी में मिले 64 रन की बढ़त के आधार पर वेस्टइंडीज को जीत के लिए 531 रन दिया था। वेस्टइंडीज के पास इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए 164 ओवर था। 72 रन पर 4 विकेट गंवाने के बाद जिस तरह वेस्टइंडीज ने ग्रिव्स, होप और रोच की बदौलत इस टेस्ट को ड्रा कराया, वो इस टीम की ताकत, साहस और इतिहास रचने की क्षमता को दिखाता है।

जूनियर विमेंस वर्ल्ड कप : पूर्णिमा यादव ने दागे दो गोल

भारत ने आयरलैंड को 4-0 से रौंदा

सैंटियागो (चिली), एजेंसी। भारत ने जूनियर विमेंस वर्ल्ड कप 2025 में शुक्रवार को अपने आखिरी पूल सी मैच में आयरलैंड के खिलाफ 4-0 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में पूर्णिमा यादव ने दो गोल दागे। सैंटियागो के एस्टाडियो नेशनल के सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड में खेले गए इस मुकाबले में भारत की शुरुआत शानदार रही। भारत ने पहले क्वार्टर में शानदार अटैकिंग का इरादा दिखाया। टीम ने मैच के शुरुआती 12 सेकंड में ही एक पेनाल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। हालांकि, गोल नहीं हो सका। इसके बाद भारत ने दबाव बनाना जारी रखा। 10वें मिनट में टीम इंडिया को दूसरा पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन एक बार फिर टीम इसे भुनाने से चूक गई। मुकाबले के 12वें मिनट में आखिरकार भारत ने अपना खाता खोला। साक्षी राणा ने सर्कल के अंदर कनिका सिवाच को एक परफेक्ट पास दिया, जिन्होंने बड़ी कुशलता से आयरिश गोलकीपर को चकमा देकर गोल दागा।

इसके बाद भारत ने 17वें और 23वें मिनट में लगातार दो पेनाल्टी कॉर्नर जीते, लेकिन आयरलैंड की गोलकीपर लूसी मैकगोल्ड्रिक ने गोल को बचा लिए।

मुकाबले के 24वें मिनट में आयरलैंड ने गोल करने की पहली कोशिश की, लेकिन भारतीय गोलकीपर ने विपक्षी टीम को रोक दिया।

दूसरे क्वार्टर के आखिर में, भारत ने 28वें मिनट में अपना पांचवां पेनाल्टी कॉर्नर जीता, लेकिन इस मौके का फायदा नहीं मिला। इसी के साथ पहला हाफ 1-0 से खत्म हुआ। तीसरे क्वार्टर में भारत ने बॉल को ज्यादा देर तक अपने पास रखा और आयरिश डिफेंस पर दबाव बनाया। 42वें मिनट में, भारत को एक और पेनाल्टी कॉर्नर मिला। इस बार साक्षी शुक्ला ने गोल के सामने पूर्णिमा यादव को एक शानदार पास दिया, जिन्होंने बॉल को नेट में डालकर इंडिया की बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद साक्षी राणा (57 मिनट) ने बाएं किनारे से जबरदस्त थ्री-डी स्किल दिखाई और डिफेंडर्स को छकाते हुए गोल दागा। इसके बाद पूर्णिमा यादव (58 मिनट) ने मैच में अपना दूसरा गोल करते हुए भारत को 4-0 से आगे कर दिया।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 : चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का खिताब बरकरार रखा

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने 42 स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया

जयपुर, एजेंसी। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने कैनोइंग और कयाकिंग में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर राजस्थान में आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में लगातार अपना ओवरऑल चैम्पियनशिप खिताब बरकरार रखा। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने कुल 67 पदक जीते, जिसमें 42 स्वर्ण, 14 रजत और 11 कांस्य शामिल हैं। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) ने 32 स्वर्ण, 25 रजत और 22 कांस्य पदकों के साथ उपविजेता के रूप में अभियान समाप्त किया।

राजस्थान के माननीय उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा और राजस्थान सरकार के युवा मामले और खेल मंत्री, कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर ने पूर्णिमा विश्वविद्यालय में 12 दिवसीय बहु-खेल महोत्सव के समापन समारोह की भव्य रंगीन प्रस्तुति में शिरकत की। इस चमकदार कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीय राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे थीं।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने कैनोइंग और कयाकिंग (जो पहली बार केआईयूजी में शामिल की गई) में उपलब्ध 30 में से 23 स्वर्ण जीते। इसके अलावा छह स्वर्ण तैराकी में, पाँच एथलेटिक्स में, दो कुश्ती में और एक-एक स्वर्ण वेटलिफ्टिंग, शूटिंग, साइक्लिंग, तीरंदाजी, टेबल टेनिस और कबड्डी में हासिल किए।

एलपीयू ने कुल 78 पदक (चैंपियंस से 11 अधिक) जीते, लेकिन कम स्वर्ण पदकों के कारण उन्हें दूसरा स्थान मिला। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी ने भी 32 स्वर्ण पदक जीते, लेकिन उनके 22 रजत और 18 कांस्य पदकों के चलते उन्हें तीसरा स्थान मिला।

खेलों के 12 दिनों में एथलेटिक्स में कुल 12 नए मीट रिकॉर्ड बने, जिनमें दो ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी रिकॉर्ड भी शामिल हैं, जो प्रतियोगिता की उच्च गुणवत्ता को दर्शाते हैं। भारत के शीर्ष तैराक और ओलंपियन श्रीहरि नटराज केआईयूजी 2025 के सबसे सफल एथलीट रहे। उन्होंने अपने नाम 9 स्वर्ण और 2 रजत किए और जैन यूनिवर्सिटी को 27 स्वर्ण, 9 रजत और 9 कांस्य दिलाने में अहम भूमिका निभाई। पिछले संस्करण के चैंपियंस जैन यूनिवर्सिटी पदक तालिका में चौथे स्थान पर रही। माननीय राज्य मंत्री श्रीमती खडसे ने केआईयूजी को विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और उत्कृष्टता की राह के रूप में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, हार-जीत अलग बात है, लेकिन हर राज्य और क्षेत्र के खिलाड़ी यहां शामिल हुए हैं। यही इन खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की सबसे महत्वपूर्ण बात है। जहां भी जाते हैं, हम उस राज्य की संस्कृति को समझते हैं।

फीफा विश्व कप 2026: अर्जेंटीना का पहला मुकाबला अल्जीरिया से, एमबापे और हालैंड की टीम एक ग्रुप में

नई दिल्ली, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से हो रही है। इस बार विश्व कप में 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। वॉशिंगटन डीसी के कैनेडी सेंटर में फीफा वर्ल्ड कप ड्रॉ का आयोजन हुआ। इस दौरान 12 ग्रुप में कौन-कौन सी टीमें होंगी और मैचों के शेड्यूल का निर्धारण किया गया। ड्रॉ के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उपस्थित थे। उन्हें फीफा पीस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। विश्व कप का पहला मुकाबला मेक्सिको और साउथ अफ्रीका के बीच ऐतिहासिक

एस्टाडियो अज्टेका में खेला जाएगा। वहीं फीफा विश्व कप 2022 की विजेता अर्जेंटीना विश्व कप 2026 के अपने पहले मैच में अल्जीरिया से भिड़ेगी। बता दें कि दोनों टीमों को ऑस्ट्रिया और जॉर्डन के साथ ग्रुप जे में रखा गया है। मौजूदा फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना और प्रमुख दावेदार स्पेन और इंग्लैंड को 2026 वर्ल्ड कप के लिए आसान ग्रुप मिले। वहीं, फ्रांस को मुश्किल ग्रुप मिला। फुटबॉल के दो सबसे बड़े सुपरस्टार किलियन एमबापे (फ्रांस) और एर्लिंग हालैंड (नॉर्वे) की टीम एक ही ग्रुप का हिस्सा है। यूरोपीय चैंपियन स्पेन ग्रुप एच में केप वर्डे के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। 2026 का टूर्नामेंट अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में 11 जून से 19 जुलाई तक खेला जाएगा। इस बार 16 नई टीमें जुड़ रही हैं, जिससे टीमों की कुल संख्या 48 हो गई है। कतर में खेले गए पिछले विश्व कप में टीमों की संख्या 32 थी। पिछली बार 64 मैच हुए थे।

रेड 52.91 लाख में निपटी, 35 लाख की टैक्स चोरी के बावजूद कार्रवाई नही मीडिया से बचते रहे अधिकारी

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिला मुख्यालय में स्थित सराफा कारोबारी 'मोहित टंच' की फर्मों, बीएम ऑर्नामेंट्स और एसएम ज्वेलर्स पर राज्य कर विभाग की ओर से की गई 72 घंटे की जीएसटी छापेमारी अब विवादों में घिर गई है। जांच में कर चोरी के गंभीर संकेत मिलने के बावजूद, अधिकारियों ने कार्रवाई नहीं की। अधिकारियों का मीडिया से बचना और कार्रवाई का 52.91 लाख रुपए में 'निपट जाना' को लेकर कई सवाल खड़े कर रहा है। छापेमारी के तीसरे दिन देर रात करीब 10:30 बजे जब जीएसटी अधिकारी कार्रवाई समाप्त कर बाहर निकले तो मीडिया को देखते ही वे वापस अंदर लौट गए। काफी देर बाद दोबारा बाहर आने पर भी अधिकारियों ने कैमरों से बचने की पूरी कोशिश की। लगातार सवालों पर सहायक आयुक्त अमित पटेल ने केवल इतना कहा कि 'मैं मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत नहीं हूं।' उनके अधूरे जवाबों ने पारदर्शिता पर और सवाल खड़े कर दिए।

जांच में कच्चे बिल-फर्जी वाउचर मिले। गया है कि दो वित्तीय वर्षों में इन फर्मों ने सिर्फ 3.25 लाख नकद जमा किया था, जबकि उनका कारोबार काफी बड़ा है। जांच में सामने आया कि फर्मों ने 99% लेनदेन आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) पर किए, कच्चे बिल और गलत वाउचर मिले, तथा स्टॉक और बिक्री में बड़ा अंतर पाया गया। इन गंभीर अनियमितताओं के बावजूद, मामला केवल ?52.91 लाख जमा कराकर निपटा दिया गया। सहायक आयुक्त अमित पटेल ने ?35 लाख की कर अपवंचना का प्रस्ताव दिया था, लेकिन जमा राशि उससे अधिक क्यों और कैसे तय हुई, यह विभाग ने स्पष्ट नहीं किया है।

डीलर की पारिवारिक वजह से रुका मूल्यांकन: अमित पटेल ने इस संबंध में सफाई देते हुए बताया कि फर्में मुख्य रूप से जेवर और थोक व्यापार का काम करती हैं। उन्होंने कहा कि नकद देनदारी बहुत कम पाई गई, जिसे लेकर डेटा विश्लेषण में विसंगतियां सामने आईं। पटेल ने यह भी बताया कि 'डीलर बीएम ऑर्नामेंट्स का मालिक महाराष्ट्र के शामली में रहता है, उसकी माता की तबीयत खराब थी, इसलिए मूल्यांकन कार्य रोका गया और कार्रवाई लंबी चली।'

बिलिंग अनियमितताओं पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने सफाई देते हुए कहा-' व्यापारी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले ग्राहक अक्सर बिल नहीं लेते। हालांकि उन्होंने कहा कि बिल देना व्यापारी की जिम्मेदारी है। कुछ बिल हमने जब्त किए हैं, जांच के बाद कार्रवाई होगी।

मऊगंज सराफा बाजार पर भी उठे सवाल: बिना बिल-वाउचर के कारोबार की शिकायतें पहले से थीं। तीन दिन तक चली रेड और अधिकारियों की चुप्पी से पूरे सराफा बाजार में चर्चा तेज है कि क्या पूरी कार्रवाई दबाव बनाकर 'सेटलमेंट' करने का तरीका थी? मऊगंज में कर विभाग का यह मामला अब जनचर्चा का विषय बन गया है कि क्या 72 घंटे की कार्रवाई भ्रष्टाचार और पर्दादारी की कहानी छुपा रही है।

जनपद बनाने का प्रस्ताव पास विधानसभा में गूंजी मांग, विजयवर्गीय ने ली चुटकी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले की सेमरिया विधानसभा को जनपद पंचायत बनाने का रास्ता खुल गया है। कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा ने विधानसभा सत्र के दौरान सेमरिया में नई जनपद पंचायत स्थापित करने की मांग रखी, जिसे सदन ने सर्वसम्मति से पास कर दिया है। अब यह प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। चर्चा के दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने चुटकी लेते हुए विधायक का समर्थन किया, जिससे सदन में ठहाके गूंज उठे। विधायक की मांग पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल ने तकनीकी पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि पंचायत या तहसील का गठन राज्य सरकार कर सकती है, लेकिन जनपद का गठन भारत सरकार के निर्देश से ही होता है। परिसीमन के कारण रीवा में एक और जनपद की आवश्यकता है, इसलिए विधायक को राज्य पुनर्गठन आयोग के सामने भी बात रखनी चाहिए। इसी बीच नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय अपनी सीट पर खड़े हुए और मजाकिया अंदाज में कहा- 'अभय जी कह रहे हैं कि धीरे से पहुंचा दो, तो पहुंचा दो जरा।' उनकी इस बात पर पूरा सदन हंसी से गूंज उठा। एक तरह से विजयवर्गीय ने भी इस मांग का समर्थन कर दिया।

नदियों में नहीं मिलेगा नालियों का गंदा पानी, कलेक्टर ने दिए ट्रीटमेंट के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के नगरीय क्षेत्रों में अब नालियों का गंदा पानी सीधे नदियों में नहीं छोड़ा जाएगा। कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने इस संबंध में सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने नगर पंचायत त्योंथर और गोविंदगढ़ में सीवरेज ट्रीटमेंट के प्रोजेक्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि गंदे पानी को उपचारित करने के बाद ही जलस्त्रोतों में छोड़ा जाए।कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शहर की सभी नालियों के पानी को एक जगह इकट्ठा करने के लिए उन्हें आपस में जोड़ा जाए। जहां जरूरत हो, वहां अनिवार्य रूप से नई नालियों का निर्माण भी कराया जाए। उन्होंने कहा कि यह मॉडल अन्य नगरीय निकायों में भी लागू किया जाएगा ताकि जल प्रदूषण पर प्रभावी रोक लग सके।त्योंथर: 1.5 एकड़ में वेटलैंड टेक्नोलॉजी से सफाई बैठक में बताया गया कि नगर पंचायत त्योंथर में 'वेटलैंड टेक्नोलॉजी' के जरिए गंदे पानी का उपचार किया जाएगा। प्रक्रिया: नालियों का पानी यहां लाकर साफ किया जाएगा, फिर नदी में छोड़ा जाएगा।पंचायत के लिए भी अलग प्रोजेक्ट तैयार है। यहां एक पंपिंग स्टेशन, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और नाली निर्माण का कार्य प्रस्तावित है। अधिकारियों ने बताया कि ये सभी कार्य 'स्वच्छ भारत मिशन' के तहत होंगे और इसके लिए जमीन भी चिह्नांकित कर ली गई है।

अस्पताल में हंगामा: एसजीएमएच में दो महिलाओं की भिड़ंत का वीडियो वायरल सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर के शासकीय गांधी स्मारक चिकित्सालय परिसर में शुक्रवार देर रात एक शर्मनाक घटना सामने आई जिसने अस्पताल की सुरक्षा एवं अनुशासन व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अस्पताल में भर्ती मरीजों की देखरेख में लगी दो महिलाएं अचानक आपस में भिड़ गईं। दोनों ने एक-दूसरे के बाल खींचे थप्पड़ मारे और जमीन पर पटक-पटककर मारपीट की। इस दौरान मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि दोनों महिलाएं आपे से बाहर होकर एक-दूसरे पर टूट पड़ीं। वहां तैनात सुरक्षाकर्मी ने बीच-बचाव कर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की लेकिन महिलाएं किसी भी समझाइश को अनसुना करते हुए लगातार मारपीट करती रहीं। अस्पताल परिसर में लंबे समय तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा जिससे अन्य मरीजों और परिजनों में भी दहशत फैल गई।

सूत्रों के अनुसार दोनों महिलाएं अस्पताल में भर्ती दो अलग-अलग मरीजों की अटेंडर बताई जा रही हैं। विवाद की शुरुआत उस समय हुई जब एक महिला ने दूसरी के चरित्र को लेकर कथित टिप्पणी कर दी। यह बात दूसरी महिला को बुरा लग गई और बहस जल्द ही हाथापाई में बदल गई। फिलहाल इस पूरे मामले में किसी भी पक्ष द्वारा संबंधित थाना में लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। हालांकि संवेदनशील अस्पताल क्षेत्र में इस तरह की मारपीट ने प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर उंगली उठाई है।

लिंग आधारित हिंसा रोकथाम और मानवाधिकार पर कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस 25 नवम्बर से मानवाधिकार दिवस 10 दिसम्बर तक जेंडर आधारित हिंसा रोकथाम जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शासकीय माध्यमिक विद्यालय जोरी में अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को लिंग समानता, अधिकारों की समझ, हिंसा के विभिन्न रूपों की पहचान और रोकथाम के उपायों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के के बारे में जानकारी दी गई। अभियान के दौरान विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों की रचनात्मकता और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें रंगोली, मेंहदी, भाषण, निबंध, और चित्रकला जैसी गतिविधियां शामिल थीं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके लिए जेंडर समानता, महिला सशक्तिकरण, बाल अधिकार और सामाजिक संवेदनशीलता विष्यों को चुना गया था। बच्चों में उत्साह व सहभागिता बढ़ाने के लिए चॉकलेट वितरित किए गए तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पुलिस ने 6.50 लाख के 37 मोबाइल लौटाए, ऑपरेशन रिंगटोन के तहत मालिकों को सौंपे गए फोन

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज पुलिस ने 'ऑपरेशन रिंगटोन' के तहत एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने 6 लाख 50 हजार रुपये मूल्य के 37 गुम हुए मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को लौटा दिए हैं। यह अभियान जिले में मोबाइल गुमशुदगी की बढ़ती शिकायतों के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी के निर्देश पर चलाया गया था। साइबर सेल की टीम ने इन मोबाइलों को ट्रेस करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित एक वितरण कार्यक्रम में एसपी दिलीप कुमार सोनी ने स्वयं इन मोबाइलों को उनके मालिकों को सौंपा। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने खुशी व्यक्त की। कई मालिकों ने बताया कि उन्हें अपने महंगे फोन वापस मिलने की उम्मीद नहीं थी, लेकिन पुलिस के प्रयासों से यह संभव हो सका। इस पहल से पुलिस के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है।

इस अभियान में एसडीओपी साची पाठक के मार्गदर्शन में साइबर सेल टीम के सदस्यों भावेश मिश्रा, नितिन कुमार और विमल कुशवाहा ने सराहनीय कार्य किया। टीम ने तकनीकी विश्लेषण, लोकेशन ट्रैकिंग और विभिन्न जिलों की पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर इन मोबाइलों को बरामद किया।

मऊगंज पुलिस का यह प्रयास न केवल गुम हुए मोबाइल फोन की तलाश में सफल रहा, बल्कि इसने तकनीक-आधारित पुलिसिंग के प्रति जनता का विश्वास भी बढ़ाया है। एसपी दिलीप कुमार सोनी ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे अभियानों को और मजबूत किया जाएगा, ताकि आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

जीरो फैटेलिटी अभियान, परिवहन विभाग की सख्त कार्रवाई 25 वाहन चालान से दंडित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सड़क दुर्घटनाओं को शून्य स्तर पर लाने के उद्देश्य से रीवा परिवहन विभाग ने सिरमौर और मनगवा मार्ग पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। जीरो फैटेलिटी मिशन के तहत किए गए इस अभियान में कुल 216 वाहनों की जांच की गई, जिनमें से नियमों का उल्लंघन करने वाले 25 वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। विभाग के अधिकारियों के अनुसार अभियान के दौरान 10 वाहनों पर बीमा संबंधी उल्लंघन 10 दोपहिया वाहनों पर हेलमेट न पहनने 2 वाहन चालकों पर खतरनाक तरीके से वाहन चलाने तथा 3 चारपहिया वाहनों पर सीट बेल्ट न लगाने के मामले सामने आए। सभी पर नियमानुसार जुर्माना लगाया गया।

चेकिंग के दौरान परिवहन विभाग ने वाहन चालकों और यात्रियों को यातायात नियमों के पालन के महत्व के बारे में जागरूक भी किया। अधिकारियों ने कहा कि यह अभियान सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और आगे भी ऐसे अभियान और अधिक सख्ती के साथ जारी रहेंगे। नियमों का पालन करने वाले वाहन स्वामियों ने विभाग की इस कार्रवाई का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे जिले में यातायात अनुशासन में सकारात्मक सुधार होगा। विभाग ने अपील की है कि सभी वाहन चालक नियमों का पालन कर अपनी तथा दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

अभियोजन अधिकारियों की कार्यशाला संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में अभियोजन अधिकारियों की संभागीय कार्यशाला का आयोजित की गई। अभियोजन निदेशक बीएल प्रजापति लोक अभियोजन निदेशालय भोपाल के मार्गदर्शन में एवं सुशील कुमार शुक्ला सहायक निदेशक जिला अभियोजन संचालनालय रीवा के नेतृत्व में स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) 1985 के संबंध में कार्यशाला आयोजित की गई। यह अधिनियम कुछ औषधियों के चिकित्सकीय और वैज्ञानिक उपयोग को छोड़कर उनके अवैध व्यापार और दुरूपयोग को रोकने के लिए बनाया गया है। कार्यशाला का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक रीवा शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

महिला से मार पीट पुलिस पर कार्रवाई न करने का का आरोप, पीड़िता ने एसडीओपी से लगाई गुहार

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के जमुहरा गांव में एक महिला से मारपीट के मामले में पुलिस पर कथित लापरवाही का आरोप लगा है। पीड़िता का आरोप है कि मेडिकल परीक्षण के बावजूद पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। इसके बाद महिला ने गुरुवार दोपहर एसडीओपी कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई।

जानकारी के अनुसार, जमुहरा गांव निवासी सरोज यादव (40) शनिवार दोपहर अपने घर के पास हैंडपंप की नाली साफ कर रही थीं। इसी दौरान गांव के विनोद यादव और रामफल यादव ने उन्हें रोकते हुए कहा कि यह जगह उनकी नहीं है। सरोज के आपत्ति जताने पर दोनों ने महिला के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर मौके पर पहुंची पूजा यादव और गुड़िया यादव ने बीच-बचाव कर पीड़िता को बचाया। इस हमले में सरोज यादव की दोनों कलाई और सिर में गंभीर चोटें आईं। परिजनों ने उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका मेडिकल परीक्षण किया गया।

पीड़िता सरोज यादव का आरोप है कि शिकायत के बावजूद पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। इसी के विरोध में महिला गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे एसडीओपी कार्यालय पहुंची और अधिकारियों को अपना आवेदन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। पीड़िता ने कहा है कि जब तक आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी, वह अपनी लड़ाई जारी रखेंगी। वहीं, एसडीओपी कार्यालय ने आवेदन प्राप्त होने की पुष्टि करते हुए मामले की जांच का आश्वासन दिया है।

राज्य स्तरीय वॉलीबॉल पुरुष प्रतियोगिता का भव्य आगाज़

11 विश्वविद्यालयों के खिलाड़ी उतरे मैदान में रोमांचक मुकाबलों ने जीता दर्शकों का दिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार सत्र 2025-26 की राज्य स्तरीय वॉलीबॉल पुरुष प्रतियोगिता का दो दिवसीय भव्य शुभारंभ शनिवार, 06 दिसंबर को शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा के विशाल खेल मैदान में अत्यंत उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। प्रात: 10 बजे शुरू हुए उद्घाटन समारोह ने महाविद्यालय परिसर को जोश उत्साह और राष्ट्रीय खेलभावना की भावना से भर दिया।

समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. आर.पी. सिंह अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा रीवा संभाग रहे। अध्यक्षता डॉ. अर्पिता अवस्थी प्राचार्य टीआरएस कॉलेज ने की। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. रामभूषण मिश्रा निदेशक, क्रीड़ा संचालनालय अ.प्र.स. विश्वविद्यालय रीवा तथा डॉ. विभा श्रीवास्तव प्राचार्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रोफेसर अखिलेश शुक्ल विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र ने किया जबकि आयोजन की सम्पूर्ण जिम्मेदारी क्रीड़ा अधिकारी/अपर संगठन सचिव डॉ. रावेन्द्र सिंह ने संभाली।

उद्घाटन सत्र का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का बुके, बैज एवं स्मृतिचिन्ह देकर सम्मान किया गया। स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. अवस्थी ने कहा कि महाविद्यालय सदैव छात्रों को खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से नेतृत्व अनुशासन और आत्मविश्वास बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। मुख्य अतिथि डॉ. सिंह ने कहा कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएँ युवा प्रतिभाओं के लिए बड़े मंच का निर्माण करती हैं और खेल संस्कृति को मजबूत बनाती हैं। उन्होंने सभी टीमों को शुभकामनाएँ दीं।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 11 विश्वविद्यालय जबलपुर उज्जैन शहडोल भोपाल इंदौर रीवा सागर खरगौन छिंदवाड़ा, छतरपुर और ग्वालियर की टीमें भाग ले रही हैं। सभी टीमों के आगमन से महाविद्यालय परिसर खेल ऊर्जा प्रतिस्पर्धा और उत्साह से सराबोर हो उठा है।

उद्घाटन समारोह के बाद रोमांचक मुकाबलों का दौर शुरू हुआ। पहले मैच में छिंदवाड़ा ने छतरपुर को 3-1 से पराजित कर विजयी शुरुआत की। दूसरे मुकाबले में सागर विश्वविद्यालय ने खरगोन को 3-0 से हराया। तीसरे मैच में मजबूत प्रदर्शन करते हुए जबलपुर ने उज्जैन को 3-0 से मात दी। चौथे मुकाबले में भोपाल ने शहडोल पर 3-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। पांचवें मैच में मेजबान रीवा टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए सागर को 3-0 से पछाड़ दिया जिस पर दर्शकों ने जोरदार तालियाँ बजाईं।

प्रतियोगिता स्थल पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों कर्मचारियों और विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति उल्लेखनीय रही। खिलाड़ियों का जज़्बा दर्शकों का उत्साह और मैदान पर गूंजती ऊर्जा इस राज्य स्तरीय आयोजन को अविस्मरणीय बना रही है।

स्व. भैयालाल शुक्ल की पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा आयोजित, उप मुख्यमंत्री हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल अपने पूज्य पिताजी एवं विंध्य क्षेत्र के प्रख्यात समाजसेवी स्व. भैयालाल शुक्ल जी की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर हरिहरपुर धाम रीवा में आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री ने स्व. शुक्ल के स्मृति स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके महान कार्यों और जीवन मूल्यों का स्मरण किया। प्रार्थना सभा में परिवारजन सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, ग्रामवासी तथा समाजसेवी उपस्थित रहे।

प्रार्थना सभा को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि यह भावपूर्ण अवसर उस महान विभूति की स्मृति को समर्पित है जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाजसेवा, मानवीय मूल्यों और त्याग के आदर्शों को जिया। पूज्य पिता जी ने जीवनभर सेवा, त्याग और मानवता के आदर्शों को अपनाया और समाज में एक मिसाल प्रस्तुत की। पूज्य पिताजी के त्याग, सेवा और मानवीय मूल्यों की विरासत सदैव प्रेरणा देती रही है। उन्होंने सादगी, त्याग और मानव-सेवा को अपने जीवन का धर्म बनाया। उप मुख्यमंत्री ने भावपूर्ण शब्दों में अपने पिताजी के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा स्थापित मानवीय मूल्यों को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने उपस्थित संत समाज को श्रद्धा और सम्मान के प्रतीक स्वरूप श्रीफल एवं शॉल भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा पूज्य पिताजी की स्मृति में पौधारोपण कर प्रकृति के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।